मुंबई, जबलपुर, कटनी, मंडला, भोपाल, इंदौर, रायपुर,दिल्ली, नरसिंहपुर, सिवनी से एक साथ प्रकाशित

yashbharat.co.in

नये जमाने के साथ..

यश भारत

दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं

● वर्ष-2 अंक-172 ● मुंबई ● रविवार, 8 नवम्बर, 2026 ● मूल्य- 2 रुपए ● पृष्ठ-8 ● कार्तिक अमावस्या ● विक्रम संवत् 2083



श्रीराम का हुआ राज्याभिषेक

30 लाख दीपों से जगमगाए सरयू के घाट

अयोध्या, यशभारत। रामनगरी अयोध्या में दीपोत्सव का उल्लास चरम पर पहुंच गया। श्रीराम के राज्याभिषेक के साथ ही राम की पैड़ी समेत सरयू नदी के सभी प्रमुख घाट 30 लाख दीपों की रोशनी से जगमगा उठे। दीपों की अलौकिक छटा और जय श्रीराम के जयघोष से पूरी अयोध्या राममय हो गई। इस ऐतिहासिक उत्सव में शामिल होने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु रामनगरी पहुंचे। श्रद्धालुओं ने उत्साह और भक्ति के साथ दीप प्रज्ज्वलित किए। घाटों पर जलते असंख्य दीपों ने ऐसा दृश्य प्रस्तुत किया, जिसने हर किसी को मंत्रमुग्ध कर दिया।



दीपोत्सव के मुख्य आयोजन के दौरान श्रीराम का विधि-विधान से राज्याभिषेक किया गया। इसके बाद दीप प्रज्ज्वलन का सिलसिला शुरू हुआ और देखते ही देखते राम की पैड़ी सहित सरयू के घाट दीपों की रोशनी से नहा उठे। घाटों पर दीपों की कतारें और सरयू के जल में उनका प्रतिबिंब आकर्षण का प्रमुख केंद्र रहा। दीपोत्सव के मुख्य कार्यक्रम में उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, राज्यपाल आनंदीबेन पटेल सहित कई मंत्री और गणमान्य लोग शामिल हुए। आयोजन के दौरान लेजर शो और रंग-बिरंगी रोशनी ने उत्सव की भव्यता को और बढ़ा दिया।

इससे पहले साकेत महाविद्यालय से रामकथा पार्क तक भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में रामायण के प्रसंगों पर आधारित आकर्षक झांकियां प्रस्तुत की गईं। लोकनृत्यों और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने आयोजन को और भव्य बना दिया। कलाकारों ने रामायण के विभिन्न प्रसंगों को जीवंत रूप में प्रदर्शित किया। शोभायात्रा में उमड़े श्रद्धालु जय श्रीराम के जयघोष करते हुए आगे बढ़े। झांकियों में प्राचीन भारतीय संस्कृति, परंपराओं के साथ आधुनिक अयोध्या के विकास की झलक भी दिखाई दी। दीपोत्सव के दौरान राम की पैड़ी पर आयोजित लेजर शो विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। रंग-बिरंगी रोशनी और तकनीक के माध्यम से प्रस्तुत किए गए दृश्य देखने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु जुटे। लेजर शो के दौरान घाटों पर मौजूद लोगों ने इस भव्य आयोजन का आनंद लिया। दीपों की रोशनी, लेजर शो और सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने अयोध्या के दीपोत्सव को यादगार बना दिया। पूरे आयोजन के दौरान रामनगरी में उत्सव, आस्था और उल्लास का अनूठा संगम देखने को मिला। रामकथा पार्क में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भगवान श्रीराम और माता जानकी की पूजा-अर्चना कर आरती उतारी। इसके बाद राम, सीता और लक्ष्मण के स्वरूपों के साथ निकले रथ को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने प्रतीकात्मक रूप से खींचा। पूरा परिसर जय श्रीराम के उद्घोष से गूंज उठा। मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रीराम भारत के संस्कार, राष्ट्र के प्राण और आत्मसम्मान के प्रतीक हैं। आज की अयोध्या त्रेतायुग की याद दिला रही है। उन्होंने कहा कि 14 वर्ष का वनवास पूरा कर जब भगवान श्रीराम माता जानकी और लक्ष्मण के साथ अयोध्या लौटे होंगे, तब पूरी नगरी इसी तरह दीपों और उत्सव से जगमगाई होगी।

अमिताभ की सेहत के चलते 'कौन बनेगा करोड़पति' की शूटिंग पर ब्रेक



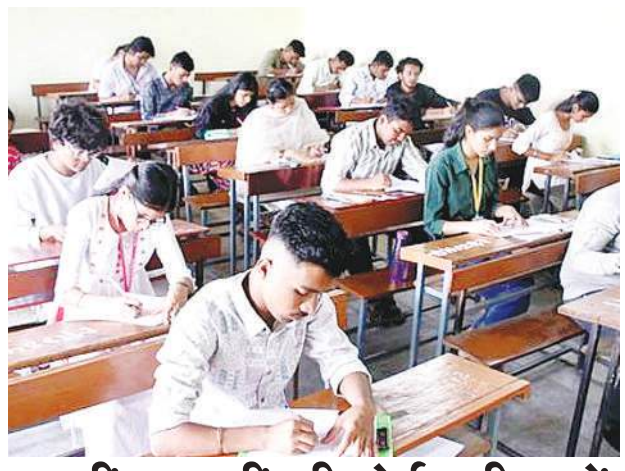
एक सप्ताह से नए एपिसोड की रिकॉर्डिंग बंद

मुंबई, यश भारत। बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता अमिताभ बच्चन की सेहत को लेकर सामने आई चिंताओं के बीच लोकप्रिय टीवी क्विज शो 'कौन बनेगा करोड़पति' (केबीसी) की शूटिंग फिलहाल रोक दी गई है। पिछले करीब एक सप्ताह से शो के नए एपिसोड की रिकॉर्डिंग नहीं हो रही है। आईएएनएस से बातचीत में एक सूत्र ने बताया कि अमिताभ बच्चन की तबीयत ठीक नहीं होने के कारण निर्माताओं ने शूटिंग स्थगित करने का फैसला किया है।

इस दौरान चैनल दीपावली विशेष कार्यक्रम के तहत पहले से रिकॉर्ड किए गए एपिसोड प्रसारित कर रहा है। इनमें फिल्म 'रामायण' के प्रचार के लिए पहुंचे रणबीर कपूर, साई पल्लवी और रवि दुबे वाला विशेष एपिसोड भी शामिल है।

सूत्र के अनुसार, अमिताभ की सेहत में सुधार होने पर अगले सप्ताह से शूटिंग शुरू की जा सकती है। अभिनेता ने अपने ब्लॉग में भी कामकाज की नियमित दिनचर्या में धीरे-धीरे लौटने का जिक्र किया है। उन्होंने बताया कि लंबे अंतराल के बाद रोजमर्रा के कामों में दोबारा सहज होना आसान नहीं रहता।

हालांकि, शूटिंग रुकने की वजह को लेकर अलग-अलग खबरें भी सामने आई हैं। 'द इंडियन एक्सप्रेस' की रिपोर्ट के मुताबिक, शो से जुड़े एक अन्य सूत्र ने इसकी वजह अमिताभ की व्यस्तता और शूटिंग के लिए तारीखों की अनुपलब्धता बताई है। सोनी लिव ने नए एपिसोड 16 नवंबर से प्रसारित करने की जानकारी दी है।



दसवीं-बारहवीं की बोर्ड परीक्षाओं का अंतिम कार्यक्रम घोषित

मुंबई, यश भारत। महाराष्ट्र राज्य माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक शिक्षा मंडल ने वर्ष 2027 में होने वाली दसवीं और बारहवीं की परीक्षाओं का अंतिम कार्यक्रम घोषित कर दिया है। इसके अनुसार बारहवीं की लिखित परीक्षाएं 8 फरवरी से 18 मार्च 2027 तक आयोजित की जाएंगी, जबकि दसवीं की लिखित परीक्षाएं 15 फरवरी से 15 मार्च 2027 तक होंगी।

बारहवीं कक्षा की प्रायोगिक, मौखिक और आंतरिक मूल्यांकन परीक्षाएं 20 जनवरी से 6 फरवरी 2027 के बीच आयोजित की जाएंगी।

मंडल ने विद्यार्थियों को परीक्षा की तैयारी के लिए पर्याप्त समय देते हुए अंतिम समय-सारणी घोषित की है।विद्यार्थी विषयवार परीक्षा की तारीखों और विस्तृत समय-सारणी के लिए महाराष्ट्र राज्य माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक शिक्षा मंडल की आधिकारिक वेबसाइट पर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

राहुल गांधी और बेटी प्रियंका गांधी भी नहीं चाहते थे कि वह प्रधानमंत्री बने

किताब में सोनिया गांधी का खुलासा, बोलीं- मनमोहन सिंह के साथ टीम बनाकर काम करने का अनुभव सकारात्मक रहा



नई दिल्ली, यशभारत। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी ने 2004 में प्रधानमंत्री पद स्वीकार नहीं करने के अपने चर्चित फैसले को लेकर बड़ा खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि उस समय उनके बेटे राहुल गांधी और बेटी प्रियंका गांधी भी नहीं चाहते थे कि वह प्रधानमंत्री बनें। अपनी आगामी पुस्तक %बिलॉन्गिंग ⁼ए जर्नी ऑफ लव% में सोनिया गांधी ने इस फैसले के पीछे की परिस्थितियों, परिवार की भूमिका और तत्कालीन राजनीतिक घटनाक्रम पर विस्तार से बात की है। 10 नवंबर को प्रकाशित होने वाली इस पुस्तक को लेकर सोनिया गांधी ने द हिंदू को दिए एक साक्षात्कार में अपने जीवन के कई अनछुए पहलुओं पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री बनने का सवाल उनके मन में कभी नहीं आया। 2004 में डॉ. मनमोहन सिंह के नेतृत्व में बनी संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (यूपीए) सरकार के साथ उनका अनुभव सकारात्मक रहा। दोनों ने एक टीम के रूप में काम किया।

राष्ट्रवादी के विलय पर फैसला लेने से पहले महायुति को विश्वास में लेना होगा - मुख्यमंत्री



मुंबई, यश भारत। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के शरद पवार और अजीत पवार गुट के विलय को लेकर महाराष्ट्र की राजनीति में फिर चर्चा तेज हो गई है। इस मुद्दे पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने स्पष्ट किया है कि दोनों दलों को विलय का फैसला लेने का अधिकार है, लेकिन ऐसा कोई भी निर्णय लेने से पहले उन्हें महायुति के सहयोगी दलों को विश्वास में लेना होगा।

फडणवीस ने कहा कि दोनों राष्ट्रवादी कांग्रेस स्वतंत्र राजनीतिक दल हैं। उनके नेताओं को आपस में बैठकर अपने भविष्य का फैसला करना है। शरद पवार, सुनेत्रा पवार, प्रफुल्ल पटेल और सुनील तटकरे जैसे वरिष्ठ नेता इस पर निर्णय लेंगे। उन्होंने कहा कि अभी तक इस मुद्दे पर उनसे कोई चर्चा नहीं हुई है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि भाजपा महायुति में सबसे बड़ा सहयोगी दल है। इसलिए विलय को लेकर कोई निर्णय होता है तो उन्हें भी इस बारे में विचार-विमर्श में शामिल करना होगा।गौरतलब है कि अजीत पवार गुट के प्रदेश अध्यक्ष सुनील तटकरे ने खुलासा किया था कि अजीत पवार जीवित होते तो 12 फरवरी को ही दोनों राष्ट्रवादी कांग्रेस का विलय हो गया होता। प्रफुल्ल पटेल की शरद पवार से अस्पताल में मुलाकात के बाद भी विलय की चर्चाओं ने जोर पकड़ लिया है।

शरद पवार को मिली अस्पताल से छुट्टी



मुंबई, यश भारत। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के अध्यक्ष और वरिष्ठ नेता शरद पवार को शनिवार को मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। 85 वर्षीय पवार पिछले तीन दिनों से सीने में संक्रमण और श्वसन संबंधी परेशानी के चलते अस्पताल में भर्ती थे। उनकी तबीयत में सुधार होने के बाद चिकित्सकों ने उन्हें घर जाने की अनुमति दी।उनका उपचार कर रहे चिकित्सक डॉ. प्रीतम समदानी ने बताया कि शरद पवार की स्थिति अब स्थिर है। उन्हें ब्रोंकाइटिस का दौरा पड़ा था और सीने में संक्रमण भी हुआ था। उपचार के बाद उनकी स्थिति में काफी सुधार हुआ है। अब उन्हें घर पर ही दवाइयां जारी रखने और आवश्यक सावधानियां बरतने की सलाह दी गई है। उम्र को देखते हुए चिकित्सकों ने उन्हें कुछ अतिरिक्त निर्देश भी दिए हैं।गौरतलब है कि पवार को 2 नवंबर को पुणे के रूबी हॉल क्लीनिक में भर्ती कराया गया था। 4 नवंबर को छुट्टी मिलने के बाद उसी दिन उन्हें मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती किया गया था। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे सहित कई नेताओं और उद्योगपति गौतम अडाणी ने अस्पताल पहुंचकर उनका हालचाल जाना।

दीपावली उपहार पहुंचाने में डिलीवरी ऐप बने सहारा

पोर्टर का शुरुआती किराया 48 रुपए बोरजो की सेवा 45 रुपये से शुरू

जय सिंह



मुंबई,यश भारत। दीपावली पर अपनों को उपहार देने और खुशियां बांटने की परंपरा बरकरार है। हालांकि, बदलती जीवनशैली और व्यस्त दिनचर्या ने उपहार भेजने का तरीका बदल दिया है। अब लोग मोबाइल ऐप के जरिए घर बैठे ही रिश्तेदारों और मित्रों तक उपहार पहुंचा रहे हैं।मुंबई में यातायात की भीड़, पार्किंग की समस्या और लंबी दूरी के कारण त्योहारों में खुद उपहार लेकर जाना मुश्किल होता है। ऐसे में पोर्टर, बोरजो, उबर पार्सल और शैडोफैक्स जैसी सेवाएं सुविधाजनक विकल्प बन रही हैं।

पोर्टर पर दोपहिया वाहन से डिलीवरी का शुरुआती किराया 48 रुपये है, जिसमें एक किलोमीटर की दूरी और 25 मिनट शामिल हैं। वहीं, बोरजो की मुंबई सेवा 45 रुपये से शुरू होती है। वास्तविक शुल्क दूरी, वजन, आकार, वाहन और मांग के अनुसार बदलता है। बड़े सामान के लिए तीन पहिया वाहन और ट्रक भी उपलब्ध हैं।इन सेवाओं से नौकरीपेशा लोगों, व्यापारियों और बुजुर्गों को विशेष सहूलियत मिल रही है। मिठाई, फूल, सूखे मेवे और उपहार विक्रेता भी ग्राहकों के घर तक सामान पहुंचा रहे हैं। पूर्व राशन दुकानदार संतोष गुप्ता के मुताबिक, इन सेवाओं से छोटे पैकेट से लेकर बड़े सामान तक भेजना आसान हुआ है। हालांकि, बुकिंग से पहले किराया, सही पता और डिलीवरी का समय जांचना जरूरी है। नाजुक सामान की सुरक्षित पैकिंग भी जरूरी है।

जवानों के साथ दिवाली मनाएंगे पीएम मोदी

देशवासियों को दी शुभकामनाएं



नई दिल्ली, यशभारत। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों को दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इस बार भी वे देश के वीर जवानों के बीच दिवाली मनाएंगे। हालांकि, प्रधानमंत्री ने इस बार जवानों के साथ त्योहार मनाने के लिए किस स्थान पर जाने की योजना बनाई है, इसका खुलासा नहीं किया। उन्होंने शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर एक वीडियो संदेश जारी कर देशवासियों को बधाई दी।प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संदेश में कहा कि दीपावली का पावन पर्व पूरे देश को रोशनी से जगमगा रहा है। प्रकाश का यह त्योहार अंधकार के खिलाफ हमारे संकल्प का प्रतीक है। उन्होंने कामना की कि सभी देशवासियों का त्योहार और आने वाला समय सुख, शांति एवं समृद्धि से भरा रहे। मोदी ने कहा कि वे भी हर साल बड़े उत्साह के साथ दीपावली मनाते हैं और देश के वीर जवानों के बीच पहुंचकर त्योहार मनाना उनका

दुबई में मेडिकल खर्च और लंबी वेटिंग के बीच देवदूत बने भारतीय

भारतीय युवक गंभीर अस्वस्थता के चलते फंसा
दूतावास और प्रवासी भारतीयों की मदद से दिल्ली लाया गया

दुबई/दिल्ली, यशभारत। दुबई घूमने गए मध्य प्रदेश के ज्ञानेंद्र तिवारी को अचानक आई गंभीर चिकित्सीय आपातस्थिति के बाद भारतीय दूतावास और दुबई में सक्रिय प्रवासी भारतीय समुदाय के सहयोग से सुरक्षित भारत (दिल्ली) वापस लाया गया है।

ज्ञानेंद्र 13 अक्टूबर को टूरिस्ट वीजा पर दुबई गए थे। 15 अक्टूबर को डेजर्ट सफारी से लौटने के बाद अचानक सीने में दर्द की शिकायत पर उन्हें अल ज़हरा हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया, जहाँ जांच में 90% ब्लॉकेज पाए जाने पर उनकी तत्काल एंजियोप्लास्टी की गई। कार्डियक अरेस्ट के कारण मस्तिष्क में ऑक्सीजन की कमी से उनकी स्थिति अत्यधिक नाजुक हो गई और उन्हें वेंटिलेटर पर रखना पड़ा।

मददगारों की पहल से आसान हुई स्वदेश वापसी

परिजन मरीज को जल्द से जल्द भारत लाकर इलाज कराना चाहते थे, लेकिन एयरलाइंस से उन्हें 14 नवंबर की स्ट्रेचर टिकट मिल रही थी। अस्पताल का भारी दैनिक खर्च देखते हुए 14 तारीख तक दुबई में रुककर इलाज जारी रखना परिजनों की आर्थिक क्षमता से बाहर हो चुका था। इस संकट की घड़ी में सबसे पहले इंदौर ग्रुप IIBM के मेंबर्स अंजू भाटिया ने पहल करते हुए इस मामले में मदद की शुरुआत की। इसके साथ ही कांसुलेट जनरल ऑफ़ इंडिया (दुबई) का मदद सेक्शन, दुबई निवासी चंद्रशेखर भाटिया, सामाजिक सेवा में सक्रिय उमा शंकरी कृष्णमूर्ति और 'ह्यूमन केयर वर्ल्डवाइड' की टीम भी आगे आई। इन सभी के विशेष प्रयासों और साझा समन्वय से 04 नवंबर की एमीरेट्स एयरलाइंस की टिकट व स्ट्रेचर की व्यवस्था हुई, जिससे ज्ञानेंद्र को 04 नवंबर की रात दुबई से रवाना कर 05 नवंबर की तड़के सुरक्षित दिल्ली लाया गया। अनूपपुर निवासी देवेंद्र कुमार तिवारी के परिजनों ने इस सहयोग के लिए भारतीय दूतावास और पूरे प्रवासी समुदाय का आभार व्यक्त किया है।

टूरिस्ट इंश्योरेंस की उपयोगिता व भारतीय दूतावास की एडवाइजरी

विदेश जाने वाले प्रत्येक यात्री के लिए 'टूरिस्ट इंश्योरेंस' एक ढाल की तरह काम करता है। अल ज़हरा अस्पताल में प्रतिदिन का खर्च लगभग 12,000 दिरहम (करीब 2.7 लाख रुपये) था। ज्ञानेंद्र तिवारी के पास 1 लाख डॉलर (लगभग 83 लाख रुपये) का मेडिकल बीमा कवरेज एक्टिव था, जिससे अस्पताल में शुरुआती और आवश्यक इलाज का भारी-भरकम भुगतान संभव हो सका। हाल ही में भारतीय दूतावास (अबू धाबी) और कॉन्सुलेट जनरल ऑफ इंडिया (दुबई) ने भी श्व जाने वाले और वहाँ रहने वाले भारतीय नागरिकों के लिए एक एडवाइजरी जारी की है। एडवाइजरी में सलाह दी गई है कि यात्रा शुरू करने से पहले पर्याप्त और उचित मेडिकल इंश्योरेंस जरूर कराएं, जिसमें कैशलेस सुविधाओं के साथ-साथ किसी भी अनहोनी या चिकित्सीय आपात स्थिति में भारत वापस लाने का खर्च भी कवर शामिल हो। यह घटना सबक देती है कि विदेश यात्रा के दौरान पर्याप्त मेडिकल बीमा जरूर कराएं।

मुंबई के इस मैदान में दिवाली पर तोप से उड़ा दिए गए थे भारतीय सैनिक



मुंबई, यश भारत । देश की आर्थिक राजधानी मुंबई के इतिहास में 1857 के स्वतंत्रता संग्राम से जुड़ा एक ऐसा क्रूर अध्याय दर्ज है, जिसे बहुत कम लोग जानते हैं। अंग्रेजों ने दिवाली के दिन दो भारतीय सैनिकों को तोप के मुंह पर बांधकर उड़ा दिया था। यह घटना 15 अक्टूबर 1857 की है। मुंबई के एस्प्लेनेड मैदान में 15 अक्टूबर 1857 को हुई इस घटना में मरीन बटालियन के ड्रिल हवलदार सैयद हुसैन और 10वीं नेटिव इन्फैंट्री के सिपाही मंगल गुदरिया को अंग्रेजों ने मौत की सजा सुनाई थी। दोनों पर अंग्रेजी शासन के विरुद्ध विद्रोह की साजिश रचने का आरोप था।मुंबई के तत्कालीन पुलिस प्रमुख चार्ल्स फोर्जेट ने भेष बदलकर सैनिकों की गतिविधियों पर नजर रखी थी। उन्हें धोबी तलाव के सोनापुर इलाके में गंगा प्रसाद के घर सैनिकों की गुप्त बैठक की जानकारी मिली। आरोप था कि सैनिकों ने दिवाली के दौरान मुंबई में हमला कर पुणे की ओर कूच करने और नाना साहेब को दक्कन का पेशवा घोषित करने की योजना बनाई थी।13 अक्टूबर को सैन्य अदालत में मुकदमा चलाया गया। दो सैनिकों को मृत्युदंड और छह को आजीवन देश निकाला दिया गया। 15 अक्टूबर को भारी सुरक्षा के बीच हजारों लोगों की मौजूदगी में दोनों सैनिकों को तोप के मुंह से बांधकर उड़ा दिया गया।

पश्चिमी उपनगरों में जलसंकट दूर करने की तैयारी

11.80 करोड़ से बदलेंगी पुरानी पाइपलाइनें

मुंबई, यश भारत। अंधेरी, जोगेश्वरी, विलेपार्ले और गोरेगांव के नागरिकों को कम दबाव और पानी की किल्लत से राहत दिलाने के लिए मुंबई महानगरपालिका 11.80 करोड़ रुपये खर्च करेगी। परिमंडल-3 के अंतर्गत आने वाले इन क्षेत्रों में पुरानी और जर्जर जलवाहिनियों को बदलकर 150 से 900 मिमी व्यास की नई पाइपलाइनें बिछाई जाएंगी।



परियोजना का काम दिसंबर 2026 से शुरू होने की संभावना है और इसे अगले दो वर्षों में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। महानगरपालिका के अनुसार, वर्ष 2029 तक जलापूर्ति व्यवस्था में सुधार दिखाई देगा।

वर्तमान में पुरानी पाइपलाइनों में रिसाव के कारण प्रतिदिन लाखों लीटर पानी बर्बाद हो रहा है। इसके साथ ही कम दबाव के कारण कई इलाकों में पर्याप्त पानी नहीं पहुंच पा रहा है। नागरिकों की लगातार मिल रही शिकायतों के बाद जल अभियंता विभाग ने इन क्षेत्रों का निरीक्षण कर पाइपलाइन बदलने का निर्णय लिया है।

परियोजना में नई जलवाहिनियां बिछाने के साथ भूमिगत जल भंडारण टंकियों और पंप रूम का निर्माण भी किया जाएगा। महानगरपालिका को उम्मीद है कि इससे पश्चिमी उपनगरों की जलापूर्ति व्यवस्था मजबूत होगी।

विद्यार्थियों ने पॉकेट मनी से बांटी दीपावली की खुशियां



मुंबई, यश भारत। वसई पूर्व के जूचंद्र स्थित कर्मवीर भाऊराव पाटिल और एसपी जूनियर कॉलेज के 250 से अधिक विद्यार्थियों ने अपनी पॉकेट मनी से जरूरतमंदों के साथ दीपावली की खुशियां साझा कीं। विद्यार्थियों ने अपने पैसों से मिठाई, नमकीन, चिवड़ा और शकरपारे खरीदकर आकर्षक उपहार बॉक्स तैयार किए।

इन उपहारों को उन्होंने निर्माण कार्यों में लगे मजदूरों, जरूरतमंद परिवारों और क्षेत्र में कार्यरत आरोग्य सेविकाओं को भेंट किया। विद्यार्थियों की इस पहल से वंचित वर्ग के लोगों के चेहरों पर भी त्योहार की खुशियां दिखाई दीं।

विद्यालय के मुख्याध्यापक विलासराव जगताप, जूनियर कॉलेज के प्राध्यापक निलेश गवली और पर्यवेक्षिका कविता पाटिल के मार्गदर्शन में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर जूनियर कॉलेज के सभी शिक्षक उपस्थित रहे।

बेस्ट बस में अब यूपीआई से टिकट भुगतान की तैयारी

छुट्टे पैसों की झंझट होगी खत्म

मुंबई, यश भारत। मुंबईकरों के लिए बेस्ट बस में सफर करना जल्द ही और आसान हो सकता है। बेस्ट प्रशासन बसों में टिकट खरीदने के लिए यूपीआई से भुगतान की सुविधा शुरू करने पर विचार कर रहा है। इस व्यवस्था के लागू होने से यात्रियों को नकद पैसे रखने और छुट्टे पैसे की परेशानी से मुक्ति मिल सकेगी।



बेस्ट समिति के सदस्य ने बसों में क्यूआर कोड के माध्यम से डिजिटल भुगतान की सुविधा उपलब्ध कराने की मांग उठाई है। उन्होंने कहा कि देश के बेंगलुरु, हैदराबाद, भुवनेश्वर और नागपुर जैसे शहरों में सार्वजनिक परिवहन सेवाओं में डिजिटल भुगतान की सुविधा उपलब्ध है। ऐसे में मुंबई की बेस्ट बस सेवा में भी यह व्यवस्था शुरू होनी चाहिए।

एटीएम में नकदी नहीं मिली तो शिकायत करने पहुंचे कर्मचारी से 5.49 लाख की साइबर ठगी



मुंबई, यश भारत। एटीएम से दो बार पैसे निकालने के बावजूद नकदी नहीं मिलने पर बैंक में शिकायत करने पहुंचे न्यू इंडिया कंपनी के कर्मचारी को साइबर ठगों ने 5.49 लाख रुपये का चूना लगा दिया। रकम वापस दिलाने का झांसा देकर ठगों ने व्हाट्सऐप पर बैंक ऐप की लिंक भेजी। इसे डाउनलोड करते ही खाते से 5,49,982 रुपये निकाल लिए गए। एमआरए मार्ग पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

पुलिस के अनुसार, शिकायतकर्ता राजकुमार लाल ने 26 अक्टूबर को फोर्ट स्थित बैंक ऑफ इंडिया के एटीएम से दो बार 5-5 हजार रुपये निकालने का प्रयास किया, लेकिन नकदी नहीं मिली। इसके बाद 2 नवंबर को वह बैंक में शिकायत करने पहुंचे। अगले दिन एक अज्ञात नंबर से उनके व्हाट्सऐप पर संदेश आया। आरोपी ने रकम वापस दिलाने का भरोसा देकर बैंक ऐप डाउनलोड करने के लिए लिंक भेजी।

राजकुमार ने लिंक डाउनलोड कर ली। उसी रात उनके खाते से पूरी रकम निकलने के संदेश मिले। ठगी का पता चलने पर उन्होंने पुलिस से शिकायत की। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

आधुनिक रंगों के साथ परंपराओं से जुड़ी Gen Z की दिवाली, 71 प्रतिशत युवा रीति-रिवाजों के पक्षधर

मुंबई, यश भारत। आधुनिक जीवनशैली और बदलते सामाजिक परिवेश के बीच देश की युवा पीढ़ी का अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ाव बना हुआ है। जेनरेशन जेड के 71 प्रतिशत युवा दीपावली को पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ मनाना पसंद करते हैं। एक नए सर्वेक्षण में यह तथ्य सामने आया है। हालांकि, युवा परंपराओं के साथ मनोरंजन, रचनात्मकता और नए अनुभवों को भी त्योहार का हिस्सा बनाना चाहते हैं।



सैनरियो की ओर से यूगोव इंडिया के माध्यम से किए गए सर्वेक्षण में 66 प्रतिशत युवाओं ने दीपावली के दौरान खेल और मनोरंजन से जुड़ी गतिविधियों में रुचि दिखाई। इससे स्पष्ट है कि नई पीढ़ी त्योहार की परंपरागत पहचान बनाए रखते हुए उसमें अपनी पसंद के रंग भी जोड़ना चाहती है।

सर्वेक्षण के मुताबिक, युवाओं के लिए उपहारों की कीमत से अधिक उनका भावनात्मक महत्व मायने रखता है। 64 प्रतिशत युवा ऐसे उपहार पसंद करते हैं, जो उनकी व्यक्तिगत पसंद और जरूरतों को ध्यान में रखकर दिए जाएं। वहीं, 60 प्रतिशत को सोशल मीडिया पर दिखावे के लिए दिए जाने वाले उपहारों की अपेक्षा भावनात्मक जुड़ाव वाले उपहार अधिक पसंद हैं।

परिवार और सामाजिक रिश्तों को लेकर भी युवाओं की सोच सामने आई है। 70 प्रतिशत का मानना है कि दीपावली पर प्रत्येक व्यक्ति को अपनापन और सम्मान मिलना चाहिए। वहीं, 60 प्रतिशत युवा बड़े आयोजनों के बजाय छोटे समूहों में त्योहार मनाना पसंद करते हैं। परिवार के साथ समय बिताना, भोजन साझा करना और तस्वीरों के जरिए यादें संजोना उनकी प्राथमिकताओं में शामिल है।

बचपन की यादें भी दीपावली के उत्साह को प्रभावित करती हैं। 66 प्रतिशत युवाओं ने माना कि बचपन के अनुभव आज भी उनके त्योहार मनाने के तरीके को दिशा देते हैं। खानपान के मामले में 72 प्रतिशत युवाओं ने विशेष रूप से तैयार मिठाइयों और व्यंजनों में रुचि दिखाई।

सर्वेक्षण में दिल्ली-एनसीआर, मुंबई, बेंगलुरु, हैदराबाद और चेन्नई के 1,203 युवाओं को शामिल किया गया। इसके नतीजे बताते हैं कि आधुनिकता के प्रभाव के बावजूद नई पीढ़ी के लिए दीपावली का सांस्कृतिक और पारिवारिक महत्व कायम है।

12 नवंबर से सजेगा अंतरराष्ट्रीय कला का महाकुंभ 94 आर्ट गैलरी होंगी शामिल



मुंबई, यश भारत। कला प्रेमियों और चित्रकला संग्रहकर्ताओं के लिए मुंबई में 12 से 15 नवंबर तक 'आर्ट मुंबई 2026' का आयोजन किया जाएगा। इसका चौथा संस्करण महालक्ष्मी रेसकोर्स में आयोजित होगा। इस बार आयोजन में अंतरराष्ट्रीय भागीदारी का दायरा बढ़ाया गया है। इसमें कुल 94 कला प्रदर्शक हिस्सा लेंगे, जिनमें 73 भारतीय और 21 अंतरराष्ट्रीय कला दीर्घाएं शामिल हैं।

इस आयोजन की खास बात यह है कि छह अंतरराष्ट्रीय कला दीर्घाएं पहली बार इसमें शामिल होंगी। इनमें पेरोटिन, रिचर्ड साल्टन, नाइट गैलरी, रिज्क आर्ट गैलरी, निरू रत्नम और राजीव मेनन कंटेम्परारी प्रमुख हैं। भारतीय कला जगत की भी मजबूत भागीदारी रहेगी। कुल 62 पुरानी कला दीर्घाएं दोबारा हिस्सा लेंगी, जबकि 11 नई दीर्घाएं पहली बार अपनी कलाकृतियां प्रदर्शित करेंगी।

इस वर्ष आयोजन की विषयवस्तु 'व्हेयर कलेक्शंस टेक शेप' रखी गई है। इसके अंतर्गत आधुनिक और उभरते कलाकारों की कलाकृतियों को प्रदर्शित करने के साथ संग्रहकर्ताओं को कला से जुड़ने का अवसर मिलेगा। आयोजन में कला विषयक परिचर्चाएं, निर्देशित भ्रमण, प्रस्तुतियां और सांस्कृतिक कार्यक्रम भी होंगे।

फ्यूचर रिटेल पर 904 करोड़ की बैंक धोखाधड़ी का आरोप, किशोर बियाणी पर सीबीआई की कार्रवाई

जय सिंह, मुंबई। बिग बाजार सहित प्रमुख रिटेल ब्रांड संचालित करने वाली फ्यूचर रिटेल लिमिटेड पर 904.32 करोड़ रुपये की कथित बैंक धोखाधड़ी का आरोप लगा है। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने कंपनी के प्रवर्तक किशोर बियाणी, राकेश बियाणी समेत पूर्व और वर्तमान निदेशकों तथा अन्य लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है।



यह कार्रवाई भारतीय स्टेट बैंक की शिकायत पर की गई है। आरोप है कि कंपनी ने एसबीआई सहित बैंकों के समूह से कार्यशील पूंजी के लिए कर्ज और लेटर ऑफ क्रेडिट की सुविधा ली, लेकिन रकम का इस्तेमाल निर्धारित व्यावसायिक उद्देश्यों के बजाय अन्य गतिविधियों में किया। सहयोगी कंपनियों के माध्यम से धनराशि स्थानांतरित करने का भी आरोप है।

सीबीआई ने 6 नवंबर को मुंबई में कंपनी के प्रवर्तकों और संबंधित ठिकानों पर छापेमारी कर महत्वपूर्ण दस्तावेज जब्त किए। एजेंसी ने धोखाधड़ी की साजिश और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है। अब कर्ज की रकम के इस्तेमाल, वित्तीय लेन-देन और कथित अनियमितताओं में शामिल लोगों की भूमिका की जांच की जा रही है।

धनतेरस पर बंद घर में लाखों की चोरी, 42.30 लाख के गहने और नकदी लेकर फरार हुए चोर

मुंबई, यश भारत। दिवाली की खरीदारी में व्यस्त परिवार के बंद घर को चोरों ने निशाना बनाकर 42 लाख 30 हजार रुपये के गहने और नकदी चुरा ली। वारदात वाकोला के कलिना स्थित शास्त्रीनगर इलाके में हुई। चोर घर का ताला तोड़कर सोने-चांदी के आभूषण, सोने के बिस्कुट और



नकदी लेकर फरार हो गए।

वाकोला पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार, इसरार अहमद बाटलीवाला (43) ने 1 नवंबर को अपने करीब 42 तोले सोने और छह तोले चांदी के आभूषण घर की अलमारी में रखे थे। 4 नवंबर को वे काम पर गए थे। शाम करीब 7.30 बजे घर लौटे तो मुख्य दरवाजे का ताला टूटा मिला और सामान बिखरा पड़ा था। अलमारी से गहने गायब थे।

चोर चार सोने के बिस्कुट (22 तोले), चांदी का बिस्कुट, हार, चेन, चूड़ियां, अंगूठियां, 20 हजार रुपये नकद और चाबियों का पाउच भी ले गए। पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है।

साकीनाका में प्रतिबंधित कफ सिरप की 460 बोतलें जब्त, महिला सहित दो हिरासत में

मुंबई, यश भारत। प्रतिबंधित कोडीनयुक्त कफ सिरप का अवैध भंडारण और बिक्री करने की तैयारी कर रहे महिला सहित दो लोगों को साकीनाका पुलिस ने 6 नवंबर को हिरासत में लिया। पुलिस ने कार्रवाई के दौरान 100 मिलीलीटर की 460 बोतलें जब्त की हैं। इनकी अनुमानित कीमत 2 लाख 30 हजार रुपये बताई गई है।



पुलिस के अनुसार, कुर्ला पश्चिम के काजूपाड़ा पाइपलाइन स्थित गांधी नगर की डी-3, ओमकार हाउसिंग सोसायटी में प्रतिबंधित सिरप के अवैध भंडारण की सूचना मिली थी। इसके बाद पुलिस ने छापेमारी कर सिरप की बड़ी खेप बरामद की। मामले में महिला सहित दो आरोपियों को हिरासत में लेकर पुलिस आगे की जांच कर रही है।

अंधेरी के समाजसेवकों ने आदिवासियों के साथ मनाई दीपावली



मुंबई, यश भारत। दीपावली पर सामाजिक एकता और सेवा भावना का संदेश देते हुए अंधेरी पूर्व के समाजसेवकों ने भिवंडी स्थित आदिवासी बामन पाड़ा में 101 आदिवासियों के साथ त्योहार मनाया। इस अवसर पर विघ्नहर्ता फाउंडेशन एवं बाल गोपाल मित्र मंडल, प्रकाशवाड़ी, अंधेरी पूर्व की ओर से आदिवासी परिवारों को अनाज, मिठाई एवं फराल बनाने की सामग्री और कपड़ों का वितरण किया गया।

कार्यक्रम में समाजसेवक सुरेश भवानगीर, विक्रम सिंह, उल्हास पाटील और जय जाधव ने जरूरतमंद परिवारों को उपहार सामग्री वितरित की। समाजसेवकों ने आदिवासी परिवारों के साथ समय बिताकर दीपावली की खुशियां साझा कीं। इस पहल का उद्देश्य वंचित परिवारों को त्योहार की खुशियों में सहभागी बनाना और समाज में भाईचारे एवं सेवा भावना को बढ़ावा देना था। उपहार पाकर आदिवासी परिवारों के चेहरों पर खुशी झलक उठी।

नगरसेविका की आवाज दबाने का आरोप, महापौर से की शिकायत

मुंबई, यश भारत। बृहन्मुंबई महानगरपालिका की सदन की कार्यवाही में अपनी बात रखने का अवसर नहीं मिलने पर नगरसेविका श्रीमती मेहर मोहसीन हैदर ने नाराजगी जताई है। उन्होंने आरोप लगाया कि बार-बार अनुमति मांगने के बावजूद उन्हें अपने वार्ड और मुंबई के नागरिकों से जुड़े मुद्दे उठाने का मौका नहीं दिया जाता। श्रीमती हैदर ने 5 नवंबर 2026 को महापौर को लिखित शिकायत सौंपकर महानगरपालिका अधिनियम, 1888 और लागू नियमों के अनुसार निष्पक्ष कार्यवाही सुनिश्चित करने तथा उन्हें सदन में बोलने का अवसर देने की मांग की है। उन्होंने कहा कि सड़क, जलापूर्ति, मल-निःसारण, स्वास्थ्य, शिक्षा, अवैध निर्माण, अतिक्रमण और भ्रष्टाचार जैसे जनहित के मुद्दे उठाना निर्वाचित जनप्रतिनिधि की जिम्मेदारी है। महापौर सदन की संरक्षक हैं, मालिक नहीं। उन्होंने चेतावनी दी कि शिकायत पर कार्रवाई नहीं होने पर वे सक्षम प्राधिकरण से न्याय मांगेंगी।

कीनन-रूबेन हत्याकांड : मुख्य आरोपी की उम्रकैद 20 साल में बदली, माफी नहीं मिलेगी

मुंबई, यश भारत। महिलाओं से छेड़छाड़ का विरोध करने पर वर्ष 2011 में हुए कीनन-रूबेन हत्याकांड में बॉम्बे हाईकोर्ट ने अहम फैसला सुनाया है। अदालत ने मुख्य आरोपी जितेंद्र राणा की उम्रकैद की सजा को 20 वर्ष के कारावास में बदल दिया, हालांकि स्पष्ट किया कि उसे सजा में कोई छूट या माफी नहीं मिलेगी। तीन आरोपियों की दोषसिद्धि बरकरार रखी गई, जबकि दो आरोपियों को हत्या के आरोप से बरी कर दिया गया। न्यायमूर्ति एम.एस. कर्णिक और न्यायमूर्ति संदीप पाटिल की खंडपीठ ने कहा कि वारदात के समय जितेंद्र राणा की उम्र 25 वर्ष थी, इसलिए उसकी सजा में बदलाव किया गया है। सुनील बोठ और दीपक पिवल को हत्या के आरोप से राहत मिली, हालांकि साधारण चोट पहुंचाने के मामले में उनकी दोषसिद्धि और एक वर्ष की सजा बरकरार रखी गई।

20 अक्टूबर 2011 को अंधेरी के आंबोली में महिलाओं से छेड़छाड़ का विरोध करने पर कीनन सैंटोस (24) और रुबेन फर्नांडिस (29) की चाकू, क्रिकेट स्टंप और लाठियों से हमला कर हत्या कर दी गई थी। विशेष अदालत ने 2016 में चार आरोपियों को उम्रकैद सुनाई थी।

फर्जी कस्टम अधिकारी बनकर घूम रहा युवक हिरासत में

खिलौना पिस्तौल और 17 कारतूस बरामद

मुंबई, यश भारत। कमर में पिस्तौल का होल्स्टर और गले में केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) का फर्जी पहचान पत्र लगाकर कस्टम अधिकारी होने का दिखावा कर रहे 25 वर्षीय भावेश पाटील को सांताक्रूज पुलिस ने हिरासत में लिया है। तलाशी में उसके पास से खिलौना पिस्तौल, 17 कॉर्क राउंड और एक डमी आईफोन बरामद हुआ।

पुलिस के अनुसार, 4 नवंबर को सांताक्रूज यातायात विभाग के पुलिसकर्मी जुहू तारा रोड स्थित सोहो हाउस होटल के सामने गश्त कर रहे थे। इसी दौरान जुहू की ओर जा रहे दोपहिया चालक की कमर में होल्स्टर देखकर पुलिस ने उसे रुकने का संकेत दिया। युवक ने रुकने के बजाय भागने का प्रयास किया, जिसके बाद उसे पकड़ लिया गया।

पूछताछ में उसने खुद को कस्टम अधिकारी बताया, लेकिन तलाशी में उसकी असलियत सामने आ गई। पुलिस ने हथियार प्रतिबंध आदेश के उल्लंघन का मामला दर्ज कर जांच शुरू की है।

कम उम्र में निवेश की ओर बढ़े भारतीय युवा 65 प्रतिशत ने 30 साल से पहले शुरू की बचत

मुंबई, यश भारत। भारतीयों में बचत और निवेश की आदत तेजी से बदल रही है। अब युवा पीढ़ी भी कम उम्र से ही आर्थिक भविष्य सुरक्षित करने के प्रति जागरूक हो रही है। एक नए सर्वेक्षण के अनुसार, 65 प्रतिशत भारतीयों ने 30 वर्ष की उम्र से पहले ही निवेश शुरू कर दिया था। वहीं, 80 प्रतिशत बचतकर्ता डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से अपने पैसे का प्रबंधन कर रहे हैं।

'स्टेबल मनी' और 'यूगोव' के संयुक्त सर्वेक्षण में 1,003 बचतकर्ताओं की राय शामिल की गई। इसके अनुसार, 39 प्रतिशत लोगों ने 18 से 25 वर्ष की उम्र में बचत शुरू कर दी थी, जबकि 26 प्रतिशत ने 26 से 30 वर्ष के बीच निवेश की शुरुआत की। कुल 82 प्रतिशत लोगों ने 35 वर्ष की उम्र तक बचत करना शुरू कर दिया था।



निवेश के विकल्पों में म्यूचुअल फंड 23 प्रतिशत लोगों की पहली पसंद रहा। वहीं, 21 प्रतिशत ने बैंक एफडी और आरडी को प्राथमिकता दी। सोना-चांदी में 14 प्रतिशत, शेयर बाजार में 12 प्रतिशत और बीमा एवं बचत योजनाओं में 10 प्रतिशत लोगों ने निवेश किया।

सर्वेक्षण में महिलाओं की आर्थिक भागीदारी भी सामने आई। 56 प्रतिशत प्रतिभागियों ने बताया कि वे परिवार के आर्थिक फैसले स्वयं लेते हैं। महिलाओं में 46 प्रतिशत ने वित्तीय निर्णय खुद लेने की बात कही, जबकि 29 प्रतिशत जीवनसाथी के साथ मिलकर फैसले करती हैं।

पीढ़ियों के आर्थिक लक्ष्यों में भी अंतर दिखाई दिया। जेन-जी के 26 प्रतिशत युवाओं की प्राथमिकता अपना घर खरीदना है, जबकि जेन-एक्स के 35 प्रतिशत लोग सेवानिवृत्ति के बाद की आर्थिक सुरक्षा को सबसे महत्वपूर्ण मानते हैं। सर्वेक्षण से स्पष्ट है कि बचत की परंपरा कायम है, हालांकि इसके तरीके और प्राथमिकताएं बदल रही हैं।

छठ पर गांव जाने के लिए एलटीटी पर उमड़ा जनसैलाब

गोरखपुर-पटना के लिए विशेष ट्रेनें शुरू, भीड़ संभालने को आरपीएफ-जीआरपी तैनात

मुंबई, यशभारत। दिवाली और छठ पूजा पर घर लौटने की चाह में मुंबई के लोकमान्य तिलक टर्मिनस (एलटीटी) स्टेशन पर यात्रियों का भारी हुजूम उमड़ पड़ा है। शुक्रवार रात से ही स्टेशन पर हजारों यात्रियों की भीड़ और लंबी कतारें देखने को मिलीं। उत्तर भारत और बिहार जाने वाली ट्रेनों में जबरदस्त भीड़ को देखते हुए रेलवे प्रशासन ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हैं।



भीड़ को नियंत्रित करने के लिए यात्रियों को सीधे प्लेटफॉर्म पर जाने देने के बजाय स्टेशन परिसर के बाहर बनाए गए प्रतीक्षालयों में रोका जा रहा है। वहां से चरणबद्ध तरीके से प्लेटफॉर्म पर प्रवेश दिया जा रहा है। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) और राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) के अतिरिक्त जवान तैनात किए गए हैं। सीसीटीवी के साथ कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित कैमरों से भी निगरानी की जा रही है।

यात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे ने गोरखपुर, छपरा, पटना, दरभंगा और हावड़ा सहित प्रमुख मार्गों पर विशेष ट्रेनें चलाई हैं। इससे प्रतीक्षा सूची में फंसे यात्रियों को राहत मिलने की उम्मीद है। सीएसएमटी, बांद्रा, दादर और कल्याण स्टेशनों पर भी सुरक्षा और यात्री सुविधाओं के विशेष इंतजाम किए गए हैं। रेलवे ने यात्रियों से धैर्य बनाए रखने और सुरक्षा नियमों का पालन करने की अपील की है।

लॉरेंस गैंग का गुर्गा हैरी बॉक्सर अमेरिका में गिरफ्तार

रोहित शेट्टी के घर फायरिंग की जिम्मेदारी लेकर बॉलीवुड को दी थी धमकी

जय सिंह, यशभारत। बॉलीवुड में दहशत फैलाने और फिल्मी हस्तियों को धमकाने वाले लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के करीबी गैंगस्टर हैरी बॉक्सर उर्फ हरि बॉक्सर को अमेरिका में गिरफ्तार किए जाने की खबर है। हरियाणा स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) के मुताबिक, वह राज्य का मोस्ट वांटेड अपराधी है। उसकी गिरफ्तारी को गिरोह के अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क के खिलाफ बड़ी कामयाबी माना जा रहा है।



हैरी बॉक्सर 1 फरवरी, 2026 को फिल्म निर्देशक रोहित शेट्टी के जुहू स्थित आवास के बाहर हुई गोलीबारी के बाद चर्चा में आया था। इस हमले की जिम्मेदारी उसने शुभम लोनकर, आरजू बिश्नोई और हरमन संधू के साथ लेने का दावा किया था। इसके बाद जारी ऑडियो संदेश में रोहित शेट्टी समेत बॉलीवुड की अन्य हस्तियों को धमकी दी गई थी। उनके कर्मचारियों और प्रबंधकों को भी निशाना बनाने की चेतावनी दी गई थी।

हैरी पर हत्या, हत्या के प्रयास, हथियारों से हमले और रंगदारी वसूली जैसे गंभीर मामले दर्ज बताए जाते हैं। वह लंबे समय से भारत से फरार था। उसकी गिरफ्तारी से गिरोह के विदेशी नेटवर्क और बॉलीवुड को मिल रही धमकियों की जांच में अहम खुलासे होने की उम्मीद है। हालांकि, भारत प्रत्यर्पण को लेकर आधिकारिक पुष्टि का इंतजार है।

मुंबई एयरपोर्ट से 14 विदेशी उड़ानों की छुट्टी

स्लॉट कटौती पर विदेशी एयरलाइंस ने केंद्र से मांगा जवाब

मुंबई, यशभारत। मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से 14 अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों की उड़ानें अस्थायी रूप से हटाने के अडानी समूह के प्रस्ताव को लेकर विवाद गहरा गया है। विदेशी विमानन कंपनियों ने केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्रालय से इस फैसले पर स्पष्टीकरण मांगा है।



मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा लिमिटेड (एमआईएएल) ने मार्च 2027 के अंत से शुरू होने वाली ग्रीष्मकालीन उड़ान समय-सारणी में हवाई अड्डे की क्षमता सालाना 50 लाख यात्रियों तक घटाने का प्रस्ताव रखा है। इसके चलते 11 खाड़ी देशों की विमानन कंपनियों को उनके पुराने उड़ान समय और स्लॉट देने से इनकार किया गया है।

प्रभावित कंपनियों में गल्फ एयर, रियाद एयर, एयर अरेबिया, कुवैत एयरवेज, ओमान एयर, सऊदिया, कतर एयरवेज, जजीरा एयरवेज, सलाम एयर और फ्लाइनास सहित 11 विमानन कंपनियां शामिल हैं। एयरलाइंस की समिति ने मंत्रालय के सचिव समीर सिन्हा को पत्र लिखकर हस्तक्षेप की मांग की है। समिति का कहना है कि बिना उचित परामर्श के ऐसा निर्णय लेना विमानन कंपनियों के स्थापित परिचालन अधिकारों को प्रभावित करेगा।

एसआरए से छीने जाएं विशेष नियोजन के अधिकार

बीएमसी आयुक्त अश्विनी भिड़े ने मुख्यमंत्री को लिखा पत्र 300 से अधिक प्रस्ताव लंबित होने पर उठाए सवाल



मुंबई, यशभारत। मुंबई महानगरपालिका आयुक्त अश्विनी भिड़े ने झोपड़पट्टी पुनर्विकास प्राधिकरण (एसआरए) के विशेष नियोजन प्राधिकरण (एसपीए) का दर्जा समाप्त कर उसके अधिकार फिर से बीएमसी को सौंपने की मांग की है। इस संबंध में उन्होंने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को पत्र लिखा है।

पत्र में आरोप लगाया गया है कि एसआरए विकास नियंत्रण नियमावली के नियम 33(11) का दुरुपयोग कर झोपड़पट्टी रहित खाली भूखंडों पर भी विकासकों को अनुचित रियायतें दे रहा है। जबकि ये छूट केवल वास्तविक झोपड़पट्टी पुनर्विकास योजनाओं के लिए लागू होनी चाहिए।

आयुक्त के अनुसार, झोपड़पट्टी रहित जमीनों से जुड़े 300 से अधिक विकास प्रस्ताव एसआरए के पास लंबित हैं। इससे बीएमसी के नगर नियोजन विभाग को करोड़ों रुपये के राजस्व का नुकसान हो रहा है। पत्र में चुनिंदा विकासकों को लाभ पहुंचाने और एक क्षेत्र की पुनर्विकास योजना के बदले दूरस्थ इलाके में मकान उपलब्ध कराने पर भी आपत्ति जताई गई है।

भिड़े ने नियम 33(11) के तहत आने वाली सभी योजनाओं का नियोजन और नियंत्रण बीएमसी को सौंपने की मांग की है। इस पत्र से मुंबई के पुनर्विकास को लेकर प्रशासनिक हलकों में हलचल तेज हो गई है।

रक्षा मंत्रालय की रोक से बिल्डरों को झटका

मालाड-कांदिवली के 120 से ज्यादा प्रोजेक्ट पर संकट हजारों घर खरीदारों की बढ़ी चिंता

मुंबई, यशभारत। मुंबई में रक्षा प्रतिष्ठानों के आसपास चल रही भवन निर्माण परियोजनाओं को लेकर रक्षा मंत्रालय के नए निर्देश से निर्माण क्षेत्र में चिंता बढ़ गई है। मंत्रालय के आदेश के कारण कई निर्माण परियोजनाओं का काम रुकने की आशंका है। इससे संबंधित भवन निर्माताओं और घर खरीदारों की मुश्किलें बढ़ सकती हैं।



मुंबई के मालाड-कांदिवली क्षेत्र में इस फैसले का सबसे अधिक असर पड़ने की आशंका है। यहां 120 से अधिक परियोजनाएं निर्माण के विभिन्न चरणों में हैं, जबकि कम से कम 50 अन्य परियोजनाएं प्रस्तावित हैं। रक्षा मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि स्थानीय सैन्य प्राधिकरण से अनापत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी) लिए बिना निर्माण कार्य जारी नहीं रखा जा सकता। बीएमसी या अन्य सरकारी विभागों की मंजूरी मिलने के बावजूद यह नियम लागू होगा।

राज्य के नगर विकास विभाग ने बुधवार को बीएमसी आयुक्त को पत्र लिखकर आदेश का तत्काल पालन करने को कहा है। मंत्रालय ने सैन्य प्रतिष्ठानों की सुरक्षा को इसका प्रमुख कारण बताया है।

इस फैसले से उन हजारों परिवारों की चिंता बढ़ गई है, जिन्होंने इन परियोजनाओं में घर बुक किए हैं। वर्ष 2023 में नौसेना प्रतिष्ठानों के आसपास निर्माण की प्रतिबंधित सीमा 500 मीटर से घटाकर 50 मीटर करने की घोषणा हुई थी, लेकिन बाद में इस राहत को स्थगित कर दिया गया। इससे पुनर्विकास और नए निर्माण को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है।

टिकट जांच से पश्चिम रेलवे की रिकॉर्ड कमाई

एक दिन में वसूले 80.38 लाख रुपए, छह दिनों में 3.28 करोड़ का राजस्व

मुंबई, यशभारत। दीपावली और छठ पूजा के दौरान यात्रियों की भारी भीड़ के बीच पश्चिम रेलवे के मुंबई सेंट्रल मंडल ने टिकट जांच से कमाई का नया रिकॉर्ड बनाया है। मंडल ने 6 नवंबर, 2026 को एक ही दिन में 80.38 लाख रुपये का राजस्व अर्जित किया। यह अब तक की सर्वाधिक दैनिक टिकट जांच आय है।



इससे पहले 30 अप्रैल, 2026 को एक दिन में 68.54 लाख रुपये की कमाई का रिकॉर्ड बना था। नए आंकड़े में 11.84 लाख रुपये यानी 17.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। वहीं, पिछले वर्ष दीपावली-छठ के दौरान 19 अक्टूबर को हुई 55.40 लाख रुपये की कमाई के मुकाबले इस बार का राजस्व 45.1 प्रतिशत अधिक रहा।

यह उपलब्धि 31 अक्टूबर से 14 नवंबर तक चलाए जा रहे 15 दिवसीय विशेष टिकट जांच अभियान 'ऑपरेशन दीप' के तहत हासिल हुई है। अभियान का उद्देश्य बिना टिकट और अनियमित यात्रा करने वालों पर कार्रवाई कर रेलवे के राजस्व की सुरक्षा करना है। त्योहारों में बढ़ी भीड़ को देखते हुए टिकट जांच कर्मचारियों का प्रभावी उपयोग भी किया जा रहा है। मुंबई सेंट्रल मंडल ने 1 से 6 नवंबर के बीच कुल 3.28 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित किया है। रेलवे प्रशासन के अनुसार, अभियान के जरिए टिकट जांच व्यवस्था को मजबूत करने और राजस्व संरक्षण पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

मुंबई की बदलती जनसांख्यिकी पर सोमैया ने जताई चिंता

हिंदू-मुस्लिम बच्चों के जन्म अनुपात 3:2 होने का दावा, विशेष समिति बनाने की मांग

मुंबई, यशभारत। भाजपा के पूर्व सांसद किरीट सोमैया ने मुंबई की बदलती जनसांख्यिकीय स्थिति को लेकर चिंता जताते हुए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से विशेष समिति गठित करने की मांग की है। सोमैया ने दावा किया है कि मुंबई में हिंदू और मुस्लिम बच्चों के जन्म का अनुपात 3:2 है। उन्होंने इसे शहर की जनसंख्या संरचना में संभावित बदलाव से जोड़ते हुए जांच की आवश्यकता बताई है।



सोमैया ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर वर्ष 2025 के जन्म संबंधी आंकड़े साझा किए। उनके अनुसार, वर्ष 2025 में मुंबई में 70,380 हिंदू और 48,554 मुस्लिम बच्चों का जन्म हुआ। वहीं, पिछले पांच वर्षों में 3,36,625 हिंदू और 2,20,754 मुस्लिम बच्चों का जन्म होने का दावा उन्होंने किया है।

इन आंकड़ों के आधार पर सोमैया ने हिंदू और मुस्लिम बच्चों के जन्म का अनुपात 3:2 बताया। उन्होंने मुख्यमंत्री फडणवीस से मुंबई की जनसांख्यिकीय स्थिति का अध्ययन करने और भविष्य की नीतियां तय करने के लिए विशेष समिति बनाने का आग्रह किया है। उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा के वरिष्ठ नेताओं को भी अपने संदेश में शामिल किया।

हालांकि, सोमैया की ओर से साझा किए गए इन आंकड़ों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। मुख्यमंत्री या भाजपा की ओर से भी इस मांग पर आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

सूखाग्रस्त तालुकों में खुलेगा मुख्यमंत्री सहायता कक्ष

आर्थिक तंगी से इलाज नहीं रुकेगा, जरूरतमंद मरीजों को मिलेगी तत्काल मदद

मुंबई, यशभारत। महाराष्ट्र में सूखे की गंभीर स्थिति को देखते हुए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने जरूरतमंद मरीजों को समय पर उपचार और आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। अब मुख्यमंत्री सहायता निधि कक्ष का विस्तार तालुका स्तर तक किया जाएगा। शुरुआत खरीफ सीजन 2026 में ट्रिगर-1 के तहत सूखाग्रस्त घोषित सभी तालुकों से होगी। इस संबंध में सामान्य प्रशासन विभाग ने 6 नवंबर, 2026 को शासनादेश जारी किया है।



नया सहायता कक्ष संबंधित पंचायत समिति कार्यालय में स्थापित होगा। जिलाधिकारी यहां स्वतंत्र चिकित्सा अधिकारी को कक्ष प्रमुख नियुक्त करेंगे। उनकी सहायता के लिए लिपिक और टंकलेखक भी उपलब्ध रहेंगे।

मरीजों को पहले आयुष्मान भारत, महात्मा फुले जन आरोग्य योजना, श्रमिक विभाग की योजनाओं और धर्मार्थ अस्पतालों के माध्यम से उपचार दिलाने का प्रयास किया जाएगा। इन योजनाओं के लिए अपात्र मरीजों के आवेदन मुख्यमंत्री सहायता निधि से आर्थिक मदद के लिए ऑनलाइन भेजे जाएंगे।

इस व्यवस्था के संचालन के लिए तालुका स्तर पर स्थानीय विधायक की अध्यक्षता में समिति बनेगी, जबकि जिलास्तरीय समिति के अध्यक्ष पालकमंत्री होंगे। दोनों समितियों की महीने में कम से कम दो बैठकें अनिवार्य होंगी।

दुष्काल प्रभावित क्षेत्रों में स्वास्थ्य शिविर, चलित चिकित्सा दल और विशेषज्ञ डॉक्टरों की सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। महिलाओं, बच्चों, बुजुर्गों तथा मधुमेह और रक्तचाप के मरीजों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। इसका उद्देश्य आर्थिक तंगी के कारण किसी भी जरूरतमंद मरीज को उपचार से वंचित न रहने देना है।

मुश्रीफ को राहत मिलते ही भाजपा की वॉशिंग मशीन पर सवाल

कांग्रेस का हमला, 2,700 पन्नों की शिकायत करने वाले सोमैया की चुप्पी पर सावंत ने उठाए सवाल

मुंबई, यशभारत। एनसीपी नेता व मंत्री हसन मुश्रीफ और उनके परिवार के खिलाफ धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत चल रही कार्रवाई बंद करने की मांग खुद प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अदालत से की है। इससे मुश्रीफ परिवार को बड़ी राहत मिली है। कांग्रेस नेता सचिन सावंत ने इस घटनाक्रम को लेकर केंद्र की मोदी सरकार पर तीखा हमला बोला है।

सावंत ने आरोप लगाया कि पिछले 12 वर्षों से केंद्रीय जांच एजेंसियों का इस्तेमाल विपक्षी नेताओं को बदनाम करने, राजनीतिक प्रताड़ना देने और सत्ता के सामने झुकाने के लिए किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मुश्रीफ के महायुति में शामिल होते ही भाजपा की वॉशिंग मशीन शुरू हो गई और उन पर लगाए गए गंभीर आरोप अचानक कमजोर पड़ गए। उन्होंने भाजपा नेता किरीट सोमैया पर भी निशाना साधते हुए सवाल किया कि मुश्रीफ के खिलाफ 2,700 पन्नों की शिकायत ईडी और आयकर विभाग को सौंपने वाले सोमैया अब चुप क्यों हैं?

सावंत ने आरोप लगाया कि विपक्ष में रहने पर नेताओं के खिलाफ तेजी से कार्रवाई होती है, लेकिन सत्ता पक्ष में शामिल होते ही जांच की रफ्तार धीमी पड़ जाती है। उन्होंने कहा कि जनता के कर से चलने वाली जांच एजेंसियों का इस्तेमाल राजनीतिक बदले के लिए नहीं, बल्कि निष्पक्ष रूप से भ्रष्टाचार के खिलाफ होना चाहिए।

सरकारी कार्यक्रम में सांसद देवरा की अनदेखी

निमंत्रण नहीं मिलने पर आयुक्त को लिखा पत्र प्रोटोकॉल पालन की मांग

मुंबई, यशभारत। मुंबई महानगरपालिका के सरकारी कार्यक्रम में आमंत्रित नहीं किए जाने पर शिवसेना सांसद मिलिंद देवरा ने कड़ी नाराजगी जताई है। कोलाबा में सफाई कर्मचारियों के लिए चलाई जा रही आश्रय योजना के लाभार्थियों को घरों की चाबियां सौंपने के कार्यक्रम में उन्हें निमंत्रण नहीं दिया गया। इस मामले में देवरा ने महानगरपालिका आयुक्त अश्विनी भिड़े को पत्र लिखकर अपनी नाराजगी व्यक्त की है।

शुक्रवार को आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की उपस्थिति में लाभार्थियों को घरों की चाबियां सौंपी गईं। समारोह में विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर, महापौर रितू तावड़े, उपमहापौर संजय घाड़ी सहित कई जनप्रतिनिधि और अधिकारी मौजूद थे। हालांकि, दक्षिण मुंबई से दो बार लोकसभा सांसद रह चुके और वर्तमान राज्यसभा सांसद मिलिंद देवरा को आमंत्रित नहीं किया गया।

देवरा ने अपने पत्र में कहा कि विकास कार्यों से जुड़े सरकारी कार्यक्रमों में स्थानीय जनप्रतिनिधियों का उचित सम्मान होना चाहिए। उन्होंने भविष्य में महानगरपालिका के कार्यक्रमों में निर्धारित प्रोटोकॉल का पालन करने और जनप्रतिनिधियों को ने भविष्य में महानगरपालिका के कार्यक्रमों में निर्धारित प्रोटोकॉल का पालन करने और जनप्रतिनिधियों को नियमानुसार आमंत्रित करने की मांग की है।

पेंग्विन जाएंगे मैसूर मुंबई में आएंगे जेब्रा-जिराफ

रानी बाग में पेंग्विन की संख्या 25 पहुंचने पर वन्यजीवों की अदला-बदली की तैयारी

मुंबई, यशभारत। भायखला स्थित वीरमाता जीजाबाई भोसले उद्यान एवं प्राणी संग्रहालय (रानी बाग) में हम्बोल्ट पेंग्विन की संख्या बढ़कर 25 हो गई है। ऐसे में मुंबई महानगरपालिका अब कुछ पेंग्विन को कर्नाटक के मैसूर प्राणी संग्रहालय में भेजने की तैयारी कर रही है। इसके बदले मुंबई के रानी बाग में जेब्रा और जिराफ जैसे नए वन्यजीव लाने पर विचार किया जा रहा है।



पेंग्विन की बढ़ती संख्या को देखते हुए उनके रहने की व्यवस्था का विस्तार किया जा रहा है। गणेशोत्सव के दौरान मैसूर प्राणी संग्रहालय के अधिकारियों और अभियंताओं की टीम ने रानी बाग का दौरा कर पेंग्विन की देखभाल, तापमान नियंत्रण, भोजन और पानी की व्यवस्था का निरीक्षण किया था। दोनों प्राणिसंग्रहालयों के बीच शुरुआती बातचीत सकारात्मक रही है।

मैसूर से आधिकारिक प्रस्ताव मिलने के बाद केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण (सीजेडए) की मंजूरी ली जाएगी। इसके बाद पशु विनिमय समझौते को अंतिम रूप दिया जाएगा। कितने पेंग्विन भेजे जाएंगे और बदले में कौन से वन्यजीव मुंबई आएंगे, इसका फैसला समझौते के बाद होगा। इससे पहले गुजरात से एशियाई शेरों की एक जोड़ी रानी बाग लाने के प्रस्ताव पर भी हस्ताक्षर हो चुके हैं।

गोकुल पर कब्जे की बात गलत, कोरम का गतिरोध तोड़ना मकसद -फडणवीस

मुंबई, यशभारत। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने गोकुल दुग्ध संघ को लेकर सरकार की मंशा स्पष्ट करते हुए कहा कि गोकुल पर कब्जा करने का कोई इरादा नहीं है। सहकारी संस्था का कामकाज प्रभावित न हो और अध्यक्ष के चुनाव में आ रही कोरम की बाधा दूर हो, इसी उद्देश्य से सहकारिता कानून में संशोधन का फैसला लिया गया है। फडणवीस ने बताया कि गोकुल के 25 संचालकों में कांग्रेस समर्थित पैनल के 13 और महायुति समर्थित पैनल के 12 सदस्य हैं। अध्यक्ष के चुनाव के लिए 14 सदस्यों की उपस्थिति अनिवार्य है। लगातार दो बैठकों में आवश्यक कोरम पूरा नहीं होने से अध्यक्ष का चुनाव नहीं हो सका।

इससे संस्था का कामकाज प्रभावित होने की आशंका थी। इसी गतिरोध को दूर करने के लिए सरकार ने अध्यादेश के माध्यम से सहकारिता कानून में संशोधन किया है। हालांकि, विपक्ष ने इस फैसले को सहकारी संस्थाओं में सरकारी हस्तक्षेप बताते हुए सवाल उठाए हैं। वहीं, राष्ट्रवादी कांग्रेस के दोनों गुटों के संभावित विलय पर फडणवीस ने कहा कि ऐसे राजनीतिक फैसलों में गठबंधन के सहयोगियों को विश्वास में लेना जरूरी है।

चिंतन-मनन

महंगाई के अंधेरे में खुशियों का उजास

दीपावली प्रकाश, उल्लास और समृद्धि का पर्व है। यह केवल घरों में दीप जलाने या बाजारों को रोशनी से सजाने का अवसर नहीं, बल्कि जीवन से अंधकार मिटाकर प्रेम, सद्भाव और मानवता का उजाला फैलाने का संदेश देता है। भगवान श्रीराम के चौदह वर्ष के वनवास के बाद अयोध्या लौटने की स्मृति में मनाया जाने वाला यह पर्व बुराई पर अच्छाई, असत्य पर सत्य और अन्याय पर न्याय की विजय का प्रतीक है। लेकिन विडंबना यह है कि आज दीपावली की चमक के बीच आम आदमी की खुशियों पर महंगाई का साया गहराता जा रहा है। त्योहार की तैयारियों के बीच बढ़ती कीमतों ने आम परिवारों का बजट बिगाड़ दिया है और खुशियों को भी आर्थिक गणित में उलझा दिया है।

इस वर्ष दीपावली पर बाजार में रौनक तो है, लेकिन खरीदारी की क्षमता पर महंगाई का दबाव साफ दिखाई दे रहा है। इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की कीमतों में 3 से 7 प्रतिशत तक वृद्धि हुई है। दूध, मावा, खोया, चीनी और सूखे मेवों की लागत बढ़ने से मिठाइयां 15 से 30 प्रतिशत तक महंगी हो गई हैं। चीनी की कीमत करीब 65 रुपये किलो तक पहुंच गई है, जबकि बादाम और पिस्ता जैसे सूखे मेवों के दाम भी आम उपभोक्ता की पहुंच से दूर होते जा रहे हैं। पिस्ता की कीमत पिछले वर्ष की तुलना में लगभग दोगुनी होने की बात सामने आई है। गेहूं, दाल और खाद्य तेलों की बढ़ती कीमतों ने रसोई का बजट भी प्रभावित किया है। सवाल यह है कि जब रोजमर्रा की जरूरतें ही महंगी होती जा रही हैं, तब आम परिवार त्योहार की अतिरिक्त खुशियों का खर्च कैसे उठाए?

महंगाई का दूसरा पहलू उन छोटे कारोबारियों और पारंपरिक कारीगरों की मुश्किलें हैं, जिनकी आजीविका त्योहारों पर निर्भर रहती है। मिट्टी के दीये बनाने वाले कुम्हार महंगी मिट्टी, बिजली और परिवहन लागत से परेशान हैं। ऊपर से बाजार में चाइनीज और रेडीमेड लाइटों की बढ़ती मांग ने उनके कारोबार को प्रभावित किया है। जिस दीपावली की पहचान मिट्टी के दीपक से है, उसी पर्व पर दीप बनाने वाले कारीगर आर्थिक संघर्ष कर रहे हैं। यह स्थिति हमारी बाजार व्यवस्था और उपभोक्ता प्राथमिकताओं पर भी सवाल खड़े करती है। स्थानीय उत्पादों को प्रोत्साहन देना केवल स्वदेशी का नारा नहीं, बल्कि हजारों परिवारों की आजीविका बचाने का प्रयास है। हालांकि दीपावली का वास्तविक अर्थ महंगे उपहार, चमक-दमक और दिखावे में नहीं छिपा है। इसकी सार्थकता मन के भीतर के अंधकार को मिटाने में है। आज समाज ईर्ष्या, द्वेष, असहिष्णुता और भेदभाव जैसी चुनौतियों से जूझ रहा है। ऐसे में दीपावली हमें प्रेम, करुणा, सहयोग और सामाजिक समरसता का संदेश देती है। जिस प्रकार छोटे-छोटे दीप मिलकर अंधकार को दूर करते हैं, उसी प्रकार समाज का प्रत्येक व्यक्ति अपने सकारात्मक योगदान से राष्ट्र को मजबूत बना सकता है।

पर्यावरण संरक्षण भी इस पर्व की बड़ी जिम्मेदारी है। पटाखों से होने वाला वायु और ध्वनि प्रदूषण बच्चों, बुजुर्गों और बीमार लोगों के स्वास्थ्य के लिए खतरा है। इसलिए हरित दीपावली को अपनाना समय की मांग है। मिट्टी के दीप जलाना, स्थानीय कारीगरों से खरीदारी करना और अनावश्यक खर्च से बचना इस पर्व को अधिक अर्थपूर्ण बना सकता है। सरकार और प्रशासन की जिम्मेदारी भी है कि आवश्यक वस्तुओं की कीमतों पर निगरानी रखे और जमाखोरी तथा कालाबाजारी पर प्रभावी नियंत्रण सुनिश्चित करे, ताकि त्योहार आम आदमी की पहुंच से बाहर न हो। अंततः दीपावली का उजाला तभी सार्थक होगा, जब किसी गरीब के घर का चूल्हा भी जले और किसी जरूरतमंद के चेहरे पर मुस्कान आए। महंगाई के इस दौर में हमें समझना होगा कि त्योहार की खुशियां धन से नहीं, संवेदना और साझेदारी से बढ़ती हैं। इस दीपावली पर संकल्प हो कि हम केवल अपने घर नहीं, बल्कि समाज के हर उस कोने को रोशन करेंगे, जहां अभाव और निराशा का अंधेरा है। यही सच्चे अर्थों में दीपावली का संदेश है।

कड़वे वचन



अक्सर लोग मुझसे पूछते हैं मुनिश्री आप इतना चिल्ला चिल्लाकर क्यों बोलते हैं ? तब मैं कहता हूं कि भाई तुम्हारे घर में कुत्ता होता है । वह तुम्हारे द्वारा दी गई सूखी रूखी रोटी खाकर रात में जब तुम गहरी नींद में होते हो तो वह भौंक भौंक कर चोरों से तुम्हारे धन की रक्षा करता हैं । फिर मुझ तरुणसागर को तो समाज दोनों तरफ घी लगी रोटियां खिलाता है तो भला मैं क्यों न चिल्लाऊं ।

आज का राशिफल



ज्योतिषाचार्य पंडित लोकेश व्यास

पंचांगः-8 नवम्बर, 2026
दिन-रविवार, अश्विन शुक्ल 10
विक्रम संवत 2083

मेष (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, आ)
अपने कार्यों को व्यवस्थित रूप से करना आपको सफल बनाएगा। उत्साह में वृद्धि होगी

वृष (इ, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, वो)
समाज में मान-सम्मान बना रहेगा। विद्यार्थियों की भविष्य को लेकर चल रही समस्या दूर होगी।

मिथुन (का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, ह)
आर्थिक कश्मकश बनी रहेगी। खर्चों पर कटौती करना अति आवश्यक है

कर्क (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो)
अपनी योजनाओं को कार्य रूप देने से पहले उस पर सोच-विचार जरूर करें। सतर्क रहे

सिंह (मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे)
अपने स्वभाव में अहम की भावना न आने दें। कारोबारी गतिविधियों में दिक्कतें रहेंगी।

कन्या (डो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
सफलता मिलेगी परंतु अभी और मेहनत की जरूरत है।

तुला (रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते)
व्यवसायिक संपर्कों को मजबूत करें। किसी राजनीतिज्ञ से मुलाकात लाभदायक साबित होगी।

वृश्चिक (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे)
पति-प ी के बीच चल रही गलतफहमी का निवारण होगा। संबंधों में पुनः मधुरता आएगी।

धनु (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे)
प्रेम संबंधों में प्रगाढ़ता रहेगी। बदलते वातावरण से सावधान रहना आवश्यक है।

मकर (भो, जा, जी, खी, खू, खे, खो, गा, गी)
प्रॉपर्टी की खरीद-फरोख्त संबंधी कोई गतिविधि चल रही है तो उससे संबंधित काम हो सकता है।

कुंभ (गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा)
परिवार में कोई धार्मिक आयोजन की योजना बनेगी। घर की साज सज्जा में समय व्यतीत होगा।

मीन (दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची)
समस्या का सामंजस्य से समाधान निकालने की जरूरत है। धैर्य और शांति बनाए रखें।

झिलमिलाती झालरों में गुम होती मिट्टी के दीयों की दिवाली



कभी दिवाली मिट्टी के दीयों की सौंधी महक, घर में बनते पकवानों की मिठास, आँगन में उकेरे जाते मांडणों, रिश्तों के अपनत्व और लोक परंपराओं की जीवंतता का पर्व हुआ करती थी। त्योहार आने से कई दिन पहले ही घरों में तैयारियाँ शुरू हो जाती थीं। बच्चों के चेहरों पर उत्साह होता था, महिलाओं के हाथों में काम की व्यस्तता और बुजुर्गों के पास परंपराओं से जुड़ी अनगिनत स्मृतियाँ होती थीं। समय बदला, जीवनशैली बदली और दिवाली मनाने के तौर-तरीके भी बदल गए। आज बिजली की रंग-बिरंगी लड़ियाँ, आकर्षक सजावट, महँगे उपहार, मिठाइयों के सुंदर डिब्बे, पटाखों का शोर और इंटरनेट पर शुभकामनाओं की भरमार इस पर्व का हिस्सा बन चुके हैं। आधुनिकता ने त्योहार को नया स्वरूप तो दिया है, लेकिन इस चमक-दमक के बीच एक सवाल भी उठता है कि क्या हमने दिवाली की मूल आत्मा को कहीं पीछे छोड़ दिया है?

दिवाली केवल अमावस्या की रात को रोशन करने का पर्व नहीं, बल्कि अंधकार पर प्रकाश, निराशा पर आशा और दूरियों पर अपनत्व की विजय का प्रतीक है। धनतेरस, रूप चौदस, दीपावली, गोवर्धन पूजा और भाई दूज जैसे पाँच पर्वों से सजा यह उत्सव हमारी सांस्कृतिक विरासत और पारिवारिक एकजुटता का परिचायक है। दुर्भाग्य से आज अनेक परिवारों में इसकी रौनक एक दिन की औपचारिकता तक सिमटती जा रही है।

दिवाली की सबसे सुंदर और विशिष्ट पहचान मिट्टी के दीये हुआ करते थे। त्योहार से कई दिन पहले बाजारों में कुम्हारों की दुकानें सज जाती थीं। बच्चे अपने माता-पिता के साथ दीये खरीदने जाते और घर लौटकर उन्हें पानी में भिगोने, सुखाने तथा व्यवस्थित करने में हाथ बँटाते थे। फिर उनमें तेल और बाती डालकर घर के कोने-कोने में जलाया जाता था। मिट्टी के इन छोटे-छोटे दीयों की टिमटिमाती लौ में केवल रोशनी नहीं, बल्कि मिट्टी से जुड़ाव, श्रम का सम्मान और अपनी परंपराओं के प्रति आत्मीयता भी समाहित होती थी। गाँवों में कुम्हार अपने चाक पर मिट्टी से दीये, कुल्हड़, खिलौने और अन्य उपयोगी वस्तुएँ बनाते थे। कई स्थानों पर किसान अनाज के बदले कुम्हारों से दीये लेते थे। यह ग्रामीण अर्थव्यवस्था और पारस्परिक सहयोग की ऐसी व्यवस्था थी, जिसमें एक परिवार की खुशियाँ दूसरे परिवार की आजीविका से जुड़ी होती थीं। आज बिजली की झालरों और सजावटी रोशनियों ने मिट्टी के दीयों का स्थान काफी हद तक ले लिया है। हम घर की सजावट पर हजारों रुपये खर्च करने से नहीं हिचकिचाते, लेकिन मिट्टी का दीया खरीदते समय उसकी कीमत पर मोलभाव करते हैं। इसका सीधा असर उन कुम्हार परिवारों पर पड़ रहा है, जिनकी पीढ़ियाँ इसी पारंपरिक व्यवसाय से जुड़ी रही हैं। ऐसे में मिट्टी के दीये खरीदना महज परंपरा निभाना नहीं, बल्कि स्थानीय कारीगरों की आजीविका, आत्मसम्मान और पारंपरिक हुनर को बचाने का छोटा लेकिन सार्थक प्रयास है।

दिवाली की तैयारियों में कभी घर की रसोई भी उत्सव का प्रमुख केंद्र हुआ करती थी। महिलाएँ कई दिन पहले से लड्डू, मठरी, शक्करपारे, नमकपारे, चकली, गुझिया और तरह-तरह के नमकीन बनाने में जुट जाती थीं। घर की रसोई से उठती घी और मसालों की खुशबू पूरे वातावरण को त्योहारमय बना देती थी। परिवार के दूसरे सदस्य भी अपने-अपने ढंग से सहयोग करते थे। कोई सामग्री तैयार करता, कोई पकवान तलने में मदद करता तो कोई उन्हें डिब्बों में सजाता था। इन पकवानों में केवल आटा, घी और चीनी नहीं, बल्कि परिवार का सामूहिक श्रम, प्रेम और अपनापन भी घुला होता था। आज समय की कमी और बदलती जीवनशैली के कारण बाजार की मिठाइयों तथा पैकेटबंद खाद्य पदार्थों पर निर्भरता बढ़ गई है। बाजार से मिठाई खरीदना गलत नहीं है, लेकिन घर में कुछ पारंपरिक पकवान बनाकर परिवार के साथ बाँटने का आनंद किसी महँगे मिठाई के डिब्बे में नहीं मिल सकता। आखिर मिठास केवल मिठाई में नहीं, बल्कि उसे बनाने, परोसने और अपनों के साथ बाँटने के भाव में भी होती है।

राजस्थान की लोक संस्कृति में दिवाली की तैयारियों का विशेष महत्व रहा है। घरों की सफाई और लिपाई-पुताई के बाद आँगन में मांडणे बनाए जाते थे। रंगोली, फूलों की सजावट और पारंपरिक आकृतियाँ घर की सुंदरता में चार चाँद लगा देती थीं। मुख्य द्वार पर आम और अशोक के पत्तों के वंदनवार बाँधे जाते थे। पूजा स्थल को विशेष रूप से सजाया जाता और घर की महिलाएँ पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार लक्ष्मी पूजन की तैयारियाँ करती थीं। ग्रामीण क्षेत्रों में पशुधन को नहलाने, सजाने और उनकी पूजा करने की परंपरा भी उत्सव का अभिन्न हिस्सा रही है। महिलाएँ और लड़कियाँ घर में मेहँदी भिगोकर एक-दूसरे के हाथों पर लगाती थीं। मेहँदी का रंग गहरा होने की प्रतीक्षा में रातभर हँसी-मजाक और बातचीत का दौर चलता था। ये गतिविधियाँ केवल त्योहार की तैयारियाँ नहीं थीं, बल्कि परिवार को जोड़ने और लोक संस्कृति को अगली पीढ़ी तक पहुँचाने के सहज माध्यम थीं। आज तैयार मेहँदी, बाजार की सजावटी वस्तुओं और ऑनलाइन खरीदारी ने इन सामूहिक गतिविधियों का स्थान ले लिया है। सुविधाएँ बढ़ी हैं, लेकिन परिवार के साथ बिताए जाने वाले आत्मीय पल धीरे-धीरे कम हुए हैं।

दिवाली के बदलते स्वरूप का एक चिंताजनक पक्ष पटाखों का बढ़ता शोर और प्रदूषण भी है। कुछ घंटों की आतिशबाजी के लिए बड़ी मात्रा में धन खर्च किया जाता है, जबकि इससे निकलने वाला धुआँ वायु की गुणवत्ता को प्रभावित करता है। तेज आवाज बुजुर्गों, छोटे बच्चों और ध्वनि के प्रति संवेदनशील लोगों के लिए परेशानी का कारण बनती है। पशु-पक्षी भी इस शोर से भयभीत होते हैं। त्योहार की खुशी ऐसी नहीं होनी चाहिए, जो किसी दूसरे जीव या व्यक्ति के लिए कष्ट का कारण बन जाए। हमें यह समझना होगा कि उत्सव का अर्थ केवल शोर करना और धन खर्च करना नहीं है। कम पटाखे चलाना, पर्यावरण के अनुकूल सजावट करना, ऊर्जा की बचत करना और आसपास स्वच्छता बनाए रखना जिम्मेदार नागरिक होने के साथ-साथ हरित दिवाली की दिशा में भी आवश्यक कदम हैं।

तकनीक ने भी दिवाली के स्वरूप को काफी प्रभावित किया है। इंटरनेट, फेसबुक, इंस्टाग्राम और व्हाट्सऐप के माध्यम से कुछ ही क्षणों में शुभकामना संदेश हजारों लोगों तक पहुँच जाते हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता की मदद से आकर्षक चित्र, संदेश और शुभकामना पत्र भी तैयार किए जा रहे हैं। निस्संदेह तकनीक ने दूर बैठे परिजनों और मित्रों से संपर्क आसान बनाया है, लेकिन डिजिटल संदेश आत्मीय मुलाकात का विकल्प नहीं हो सकते। किसी बुजुर्ग के पास बैठकर उनका हाल पूछना, किसी रूठे रिश्तेदार को गले लगाना, पुराने मित्र से मिलना और किसी जरूरतमंद के चेहरे पर मुस्कान लाना ही त्योहार की वास्तविक सार्थकता है। एक क्लिक से भेजी गई शुभकामना और किसी के घर जाकर दी गई आत्मीय बधाई के भाव में अंतर होता है। तकनीक संपर्क का माध्यम बन सकती है, लेकिन रिश्तों की गर्माहट मनुष्य के व्यवहार से ही कायम रहती है।

दिवाली के उत्सव में बढ़ता दिखावा और महँगाई भी विचारणीय विषय हैं। महँगे कपड़े, उपहार, सजावट और सामाजिक प्रतिष्ठा के नाम पर होने वाला अनावश्यक खर्च कई परिवारों पर आर्थिक दबाव पैदा करता है। सोशल मीडिया पर दूसरों की सजावट और उत्सव देखकर अपनी खुशियों को उनसे बड़ा दिखाने की प्रतिस्पर्धा भी बढ़ रही है। परिणामस्वरूप त्योहार कभी-कभी आनंद के बजाय आर्थिक बोझ बन जाता है। जबकि भारतीय संस्कृति में त्योहारों का मूल भाव सादगी, संतोष, सद्भाव और सामूहिक प्रसन्नता रहा है। किसी जरूरतमंद परिवार को मिठाई देना, किसी गरीब बच्चे को नए कपड़े दिलाना या किसी अकेले बुजुर्ग के साथ कुछ समय बिताना महँगे उपहारों से कहीं अधिक मूल्यवान हो सकता है। खुशियाँ जितनी बाँटी जाती हैं, उतनी ही बढ़ती हैं।

आज आवश्यकता इस बात की है कि हम आधुनिकता को अपनाते हुए अपनी सांस्कृतिक जड़ों और परंपराओं को भी सँभालकर रखें। इसके लिए किसी बड़े परिवर्तन या अतिरिक्त खर्च की आवश्यकता नहीं है। इस दिवाली कुछ मिट्टी के दीये खरीदें, स्थानीय कुम्हारों को प्रोत्साहित करें, घर में पारंपरिक पकवान बनाएँ, बच्चों को मांडणों और लोक परंपराओं से परिचित करवाएँ, बुजुर्गों के साथ समय बिताएँ और किसी जरूरतमंद की सहायता करें। अगली पीढ़ी को केवल बिजली की लड़ियों, कैमरों और सोशल मीडिया पर प्रदर्शित होने वाली दिवाली नहीं, बल्कि मिट्टी के दीयों, पारिवारिक आत्मीयता, लोक संस्कृति और मानवीय संवेदनाओं से सजी दिवाली भी विरासत में मिलनी चाहिए। पुरानी परंपराओं को ज्यों का त्यों दोहराना आवश्यक नहीं, लेकिन उनमें निहित प्रेम, सहयोग, सादगी और सम्मान के मूल्यों को बचाए रखना हमारा दायित्व है।

आखिरकार, बिजली की लड़ियाँ घर रोशन कर सकती हैं, लेकिन रिश्तों में उजाला नहीं भर सकतीं। महँगे उपहार चेहरे पर क्षणिक मुस्कान ला सकते हैं, लेकिन मन को सच्ची खुशी अपनत्व से ही मिलती है। पटाखों का शोर उत्सव का एहसास करा सकता है, लेकिन किसी के मन का सन्नाटा दूर नहीं कर सकता। इसलिए इस दिवाली केवल घर नहीं, दिल भी रोशन करें। मिट्टी के दीये जलाएँ, अपनी संस्कृति सँभालें, मेहनतकश कारीगरों का सम्मान करें और उन रिश्तों को समय दें, जिन्हें आधुनिक जीवन की भागदौड़ में पीछे छोड़ आए हैं। क्योंकि दिवाली की वास्तविक सार्थकता उसकी बाहरी चमक में नहीं, बल्कि उस उजाले में है जो हमारे व्यवहार, विचारों और संवेदनाओं में दिखाई देता है। झिलमिलाती झालरों के बीच मिट्टी के दीयों की लौ बुझने न पाए, यही हमारी परंपरा, संस्कृति और आने वाली पीढ़ियों के प्रति सच्चा संकल्प होना चाहिए।

(लेखक -सुनील कुमार महला)

भगवान राम व श्रीकृष्ण भी मनाते थे दीपावली!

शुभं करोतु कल्याणं आरोग्यं सुख संपदाम।
दुष्ट शक्तिः विनाशाय दीप ज्योति नमोस्तुते।।

हिंदू धर्म मे दीपावली पर्व शुद्ध रूप से सामाजिक एवं भौगोलिक पर्व के रूप में मनाया जाता है। इसको द्वापर युग में भगवान श्री कृष्ण भी मनाया करते थे। त्रेता युग में भगवान राम ने भी दीपावली का मनाया था और इससे पहले सतयुग में दीपावली को मनाया जाता था। दीपावली का वास्तविक नाम है, *शारदीय नवसस्येष्टि पर्व* जिसका अर्थ है *शरद ऋतु में आई हुई फसल का यज्ञ* अर्थात् खरीफ की फसल तिलहन, दलहन, अनाज यथा धान, मक्का, चना, मसूर, जौ, उड़द, सोयाबीन, अरहर आदी का प्रेम से स्वागत करना, पूजा करना, सबसे पहले इन नई फसलों को प्राप्त करने के बाद इसे परमात्मा व देवताओं को भोग लगाना। भोग लगाने की विधि यज्ञ है। जो अग्नि देवताओं का मुख है। अग्नि को दी हुई आहुति परमात्मा व सभी देवताओं को प्राप्त होती है। इससे परमात्मा व सभी देवी देवता प्रसन्न होते हैं और जन कल्याण करते हैं। हमारी संस्कृति त्याग और दान की संस्कृति है। हम नई फसल से नए-नए पकवान खीर, हलवा, मिठाई लड्डू बताशा आदि बनाते है। अपने माता-पिता, गुरु- आचार्य, बड़े-बुजुर्ग, रिश्तेदार, असहाय, निर्बल, अनाथ, हमारे सेवक, कर्मचारी, पड़ोसी, हमारे रक्षक पुलिस, सेना को देकर यथायोग्य ग्रहण कराते है। सामाजिक स्तर पर कर्म के अनुसार किसान और व्यापारी इस पृथ्वी पर समृद्धि लाते हैं और अभाव को दूर करते हैं इनका सदकार्य ही यही है-

पशुनां रक्षणं दानं इज्याह्यध्ययनमेव च।
वणिक् पथं कुसीदं च वैश्यस्य कृषिमेव च।।

अर्थात - पशुओं का पालन एवं रक्षण तथा दान देना, यज्ञ करना, स्वाध्याय करना इस नियमित अङ्ग और व्यापार- वस्तुओं का आयात निर्यात और पैसों का निवेश करना यह व्यापारी एवं किसान के कार्य है।परंतु किसान की उपेक्षा करके कभी किसी समाज की शुभ दीपावली नहीं हो सकती। कुछ लोग लक्ष्मी का अर्थ, नोट करेंसी को मानते है ।लेकिन जब नोट नहीं थे, तब लक्ष्मी नहीं थी क्या? लक्ष्मी तब भी थी। तब तांबे, सोने, चांदी के सिक्के चलते थे। एक समय ऐसा भी था जब सिक्के नहीं थे, तब क्या लक्ष्मी नहीं थी? अवश्य थी। फिर लक्ष्मी क्या है लक्ष्मी है धान, अनाज। यही विशुद्ध रूप से लक्ष्मी है और इस लक्ष्मी को देने वाला किसान है।इसलिए इस दीपावली में आसपास के गरीब किसानों का संबल बने उनके पास जायें ,हो सके तो उनके कर्ज को हल्का या कम करने का प्रयास करें। उनके बच्चों को मिठाई कपड़ा इत्यादि देंयह उनपर पर दया नही,बल्कि उनका अधिकार समझ कर दे।

दीपावली के पर्व

धनतेरस - लोक में ऐसा प्रचलन है कि इस दिन स्वर्ण, चांदी, तांबे की खरीदी करना शुभ होता है। इसलिए लोग जमकर आभूषण इत्यादि खरीदते हैं। आइए! समझते हैं धनतेरस क्या है। धनतेरस में दो शब्द है पहला है धन जिस का सामान्य अर्थ लगाया जाता है पैसा रुपया सोना चांदी आदि और तेरस का अर्थ है त्रयोदशी *धनतेरस* के दिन त्रयोदशी तिथि होती है। कार्तिक मास कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी को धनतेरस मनाया जाता है। पर त्रयोदशी को स्वर्ण आदि आभूषण खरीदने से क्या लाभ और शुभ? क्या साल भर ज्वेलरी की दुकानें बंद रहती है? क्या दूसरे दिन खरीदना अशुभ है? बिल्कुल भी नहीं फिर धनतेरस का क्या मतलब? धन का सबसे पहला अर्थ है - शरीर, *पहला सुख निरोगी काया, दूजा सुख घर में हो माया* माया तो दूसरे स्थान पर है। पहली संपत्ति तो हमारा शरीर है। आपसे कोई अपका एक हाथ मांग ले बदले में कई लाख रुपए देने की बात कहे तो आप कदापि नहीं मानेंगे। इसका मतलब पहला धन तो आपका शरीर ही है। इससे बड़ा कुछ नहीं है अब आप पूछेंगे? इसका धनतेरस से क्या मतलब है? आयुर्वेद के बहुत बड़े ज्ञाता ऋषि हुए हैं। धन्वंतरि और उन्होंने अपनी बात प्रारंभ की है। शरीर रूपी धन से। उन्होंने शरीर को सबसे बड़ा धन बताया है। इसलिए पहला धन तो शरीर है यदि आप स्वस्थ रहें निरोग है तो संपत्ति और भी कमा सकते हैं। कहावत तो आपने सुनी है *जान है तो जहान है* तो बताइए आपको पहला धन पवित्र आत्मा और शरीर हुआ ना। आपका सुंदर स्वास्थ्य ही आपका धन है। धन्वंतरि के स्मरण में हम त्रयोदशी को धनतेरस मनाते हैं। शरद ऋतु में शरीर का ध्यान रखना यह आयुर्वेद के अनुसार भी बहुत जरूरी है। क्योंकि शरद ऋतु में ध्यान रखा गया शरीर पूरे साल भर स्वस्थ रहता है। जीवेम शरदः शतम् इस मंत्र के भाग में शरद शब्द का उल्लेख है अर्थात् हम सौ वर्ष तक जिए हम सौ शरद ऋतु देखें। शरद ऋतु की उपेक्षा करके कोई व्यक्ति सौ वर्ष तक नहीं जी सकता। इसीलिए हमारा पहला धन शरीर है। ध्यान रहे! हमारा पहला धन शरीर है परंतु व्यक्ति संपत्ति कमाने के लिए इस अमोल शरीर और मानव जन्म को दांव पर लगा देता है। फिर शरीर ठीक करने के लिए पूरी संपत्ति को गवां देता है। इसलिए आइए असली धन को समझें और धनतेरस ऐसे ही मनाएं। कालांतर में लोगों ने स्वर्ण आभूषणों को बड़ा धन मान लिया।

लक्ष्मी पूजा - लक्ष्मी पूजा दीपावली जो मुख्य पर्व है इस दिन आप लोगों को दो बार यज्ञ हवन करना होगा। एक बार प्रातः काल घर में और दूसरी बार आपके प्रतिष्ठान व्यवसाय ऑफिस दुकान फैक्ट्री आदि में। जहां पर बैठ करके आप अपना कार्य करते हैं। दीपावली से पहले ही आप अपने घर की साफ-सफाई, रंगरोगन, आदि कर लें। क्योंकि वर्षा ऋतु अभी गई है और साफ-सफाई की बड़ी आवश्यकता है। रात्रि को पवित्र मन से शयन करें। पर्वों पर और अमावस्या, पूर्णिमा और अष्टमी इन पर्व तिथियों पर कम से कम पति और पत्नी का सहवास वर्जित है,एवं पाप है। इस दिन पवित्र रहे प्रातः काल 4 बजे उठे प्रार्थना करें। योग प्राणायाम करें। सभी मिलकर के आनंदोत्सव से मिठाइयां पकवान बनाए घर में यज्ञ हवन करें। विद्वानों को बुलाकर के हवन करवाएं। आपकी हवन सामग्री में बताशे धान मूंग मसूर दाल जो नई फसल है उसको मिलाएं और दीपावली *शारदीय नव सस्येष्टि* के मंत्रों से आहुतियां दें। परिवार के कल्याण के लिए समाज के कल्याण के लिए देश के कल्याण के लिए परमात्मा से प्रार्थना करें। साथ में यह भी कहें कि पहले सुधार मेरे से शुरू होगा।

लक्ष्मी पूजा - लक्ष्मी का अर्थ है जो आपके लक्ष्य की पूर्ति में आपका सबसे सहायक साधन हो, वह लक्ष्मी है। बिना शुद्ध लक्ष्य के शुद्ध लक्ष्मी भी प्राप्त नहीं होती है। इसलिए हमारा लक्ष्य भी ऊंचा और श्रेष्ठ होना चाहिए। अपने घर को सजाएं। घी के दीपक जलाएं। दिवाली वाले दिन अमावस्या तिथि होती है और यह अमावस्या 12 महीने में जो 12 अमावस्यायें आती है उसमें यह सबसे काली अमावस्या होती है। सबसे प्रगाढ अंधकार वाली अमावस्या होती है। हम चाहते हैं कि हम घी के दीपक जला करके इस अंधकार को दूर करें। *तमसो मा ज्योतिर्गमय* हम अंधकार से प्रकाश की ओर चलें। हमारे मन से अंधकार मिटे, हमारे समाज से अज्ञान, अंधकार, अभाव दूर हो यही *दीपावली* का संदेश है। दीप का अर्थ है दीपक और अवली का अर्थ है पंक्ति, जिस पर्व में दीपक की बड़ी-बड़ी पंक्तियां लगाकर घृत के दीपक जलाते हैं उसे दीपावली कहते हैं।

गोवर्धन पूजा- हमारे पूर्वजों ने हमारे पर्वों को कितना सुंदर सजाया है, कितना सामंजस्य बैठाया है। मैंने अभी कहा,लक्ष्मी का मतलब करेंसी नहीं है, हमारी फसल है। अब आप बताइए बिना गो माता की पूजा के किसानों की समृद्धि कैसे हो सकती है या फिर लक्ष्मी पूजा कैसे हो सकती है। गोवर्धन अर्थात गौ माता का रक्षण पालन और संवर्धन। बिना गो माता के खेती कैसे हो सकती है? फसल अच्छी कैसे हो सकती है? विदेशी खाद फ़र्टिलाइज़र से आप सिर्फ बीमार पड़ेंगे। परंतु शुद्ध गाय के गोबर के खाद से खेती करने पर उसका कितना लाभ होता है आप जानते हैं।

(लेखक- डा श्रीगोपाल नारसन)

पत्थरों के शहरों में रोशनी की तलाश....



बारूदों के मौसम
सुलग रहे धकते दिलों की सुरंगों में
थकी हुई बोझिल सांसे, फ़िरि हुई
उदास
बुझे हुए मन के चिरा?
पत्थरों के शहरों में
रोशनी की तलाश...
घना अंधेरा है दूर
तलक,पसरा
आंसुओं में तैरती
दिवाली की गुजरिया
जिंदगी के अनगिनत
बंटवारे,नाप जोख
सब बेमानी,खसरा
हारे हुए स्वप्न सभी
गुम हुए हुकुम के इक्के , जली हुई
अब ताश,पत्थरों के शहरों में रोशनी
की तलाश...
गुमशुदा कंदीलों के
कौन जगाए,भाग्य
तेल बाती सब बिखरे
जाने कहाँ गए
उजियारों के गूंजते राग
फुलझ?ियों के फूल झड़ गए,बुझे
बुझे अनार,धुआँ हँसता रहा चौखट
हवेली
उलझी रही पहेली
दीप अकेले लड़ते रहे हवाओं से,पीर
पर्वत
नंगे पांव दौ?ती रही लाश,
पत्थरों के शहरों में
कभी न ख़त्म होने वाली
रोशनी की तलाश....

रमाकान्त निगम



एक और दिवाली....

अंतर्मन के दीपों की
अनकही कहानियां जग
जाहिर हो गईं.....
जुगनुओं की अंधेरी बस्ती
पांच सितारा होटल के लिए
रातों रात खाली हो गई...
वही शतरंज वही बाजी
राजनीति के पहाड़ों की
दलाली....
दिय संग बाती हुई मौन
आंसुओं के तेल में डूबी
एक और दिवाली.....
बेदम उजियारा
हांफने लगा...अंधियारे
हंसते रहे गली चौराहे
बस्ती
कंदीलों के चुभते नाग
फनी
किस्मत ने हद कर दी....
ग्रहण लगी ज़िंदगी
हर बार रही सवाली...
आंसुओं के तेल में डूबी
एक और दिवाली...
फुटपाथों के दर्द हुए
बेपर्दा... अपाहिज़ बचपन
जले हुए पटाखों की
बासी बारूद लपेटे,जलते
रहे...मन घायल
आतिशबाजियों से
रहा डरता....
तन टेहाल,जेब रहे खाली..
आंसुओं के तेल में डूबी
एक और दिवाली....
बुझे हुए अनार सी बोझिल
सांसों के अनगिनत लुटेरे
जाने कितने ज़ख्म लिए
अभिशाप हुए वनवासों के
फेरे....
हिस्से में हर बार हमारे
वही अमावस..रात काली...
आंसुओं के तेल में डूबी
एक और दिवाली....

रमाकान्त निगम

डिजिटल दौर में भी फीकी नहीं पड़ी बाजारों की रौनक, धनतेरस पर राजधानी में 500 करोड़ का रिकॉर्ड व्यापार

भोपाल,यशभारत।

त्योहारी खरीदारी के इस दौर में जहां ऑनलाइन शॉपिंग प्लेटफॉर्म्स लगातार छूट और लुभावने ऑफर दे रहे हैं, वहीं भोपाल के स्थानीय व्यापारियों ने धनतेरस पर साबित कर दिया कि असली भरोसा और रौनक शहर के अपने बाजारों में ही है। राजधानीवासियों ने ऑनलाइन क्लिक के बजाय शहर के सराफा, ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स और बर्तन बाजारों में खुद पहुंचकर खरीदारी करने को प्राथमिकता दी। व्यापारिक प्रतिनिधियों के अनुसार, धनतेरस के दिन भोपाल के प्रमुख सेक्टरों में ?500 करोड़ से भी अधिक का कुल कारोबार दर्ज किया गया।



परंपरागत खरीदारी की चमक, सराफा में ?250 करोड़ तक का कारोबार-ग्राहकों के इस जबरदस्त रुख से स्थानीय व्यापारी गदगद हैं। सराफा व्यापारी पदाधिकारियों के अनुसार, सोने-चांदी के दामों में उतार-चढ़ाव के बावजूद लोगों ने शगुन के सिक्के, आभूषण और कीमती धातुओं की खरीदारी दिल खोलकर की, जिससे अकेले सराफा बाजार ?200 से ?250 करोड़ का कारोबार कर गया।

ऑटोमोबाइल और इलेक्ट्रॉनिक्स में दिखा जबरदस्त उत्साह-वाहन डिलीवरी के लिए शोरूम्स पर सुबह से देर रात तक मेले जैसा माहौल रहा। धनतेरस के शुभ मुहूर्त पर करीब 500 कारें और 2,000 दोपहिया वाहन बिके, जिससे ऑटोमोबाइल सेक्टर में ?120 से ?140 करोड़ का लेन-देन हुआ। वहीं, टीवी, फ्रिज और अन्य होम अप्लायंसेज के इलेक्ट्रॉनिक्स बाजार में ?40 से ?45 करोड़ की बिक्री हुई।

बर्तन, मिठाई और सजावटी सामान की भी जमकर बिक्री

किचन के बर्तनों और क्रॉकरी दुकानों पर गृहणियों की भारी भीड़ रही। बर्तन बाजार में ?10 से ?20 करोड़ और क्रॉकरी में ?3 से ?5 करोड़ का व्यापार हुआ। इसके साथ ही, सजावटी तोरण व लाइटिंग में लगभग ?30 करोड़ और मिष्ठान कारोबार में ?10 से ?15 करोड़ की बिक्री हुई। कैट के प्रतिनिधियों का कहना है कि धनतेरस पर स्थानीय दुकानों की इस बंपर बिक्री ने यह साबित कर दिया है कि त्योहारों का असली आनंद और भरोसा शहर की भौतिक दुकानों से खरीदारी करने में ही है।



घरों में नहीं, धरना स्थल पर जलाए उम्मीद के दीप! चयनित शिक्षकों की डीपीआई के सामने मनी दिवाली

भोपाल यश भारत।

दीपावली का पर्व जहां लोग अपने परिवारों के साथ खुशियां मना रहे थे, वहीं चयनित प्राथमिक शिक्षक वर्ग-3 के अभ्यर्थियों ने डीपीआई कार्यालय के सामने धरना स्थल पर ही दीप जलाकर दिवाली मनाई। नियुक्ति की राह देख रहे इन अभ्यर्थियों ने अपने आंदोलन स्थल को ही दीपों से रोशन किया और सरकार तक अपनी मांग पहुंचाने का प्रयास किया। अभ्यर्थियों का कहना है कि उन्होंने भर्ती प्रक्रिया से जुड़ी सभी आवश्यक योग्यताएं पूरी कर ली हैं, इसके बावजूद अब तक नियुक्ति पत्र जारी नहीं किए गए हैं। उनका कहना है कि नियम क्रमांक 49 के प्रावधानों का पालन करते हुए उन्हें नियुक्ति दी जानी चाहिए। अभ्यर्थियों ने कहा कि नियुक्ति मिलने के बाद ही उनकी दीपावली की खुशियां पूरी होंगी। उन्होंने शासन और विभागीय अधिकारियों से जल्द नियुक्ति पत्र जारी करने की मांग की।



संसदीय विद्यापीठ में संविधान, विधायी प्रक्रिया और बजट निर्माण की बारीकियां सीखीं

ओरिएंटल कॉलेज के एमबीए विद्यार्थियों ने किया विधानसभा का शैक्षणिक भ्रमण

भोपाल,यश भारत।

ओरिएंटल कॉलेज ऑफ मैनेजमेंट के एमबीए प्रथम सेमेस्टर के विद्यार्थियों ने 2 और 3 नवंबर 2026 को मध्यप्रदेश विधानसभा एवं पंडित कुंजीलाल दुबे राष्ट्रीय संसदीय विद्यापीठ का शैक्षणिक भ्रमण किया।

इस दौरान 2 नवंबर को संसदीय विद्यापीठ में विद्यार्थियों के लिए विभिन्न शैक्षणिक सत्र आयोजित किए गए। विशेषज्ञ वक्ताओं ने संविधान निर्माण विधानसभा की कार्यप्रणाली सदन की कार्यवाही विधानसभा प्रश्नों का महत्व विधेयक पारित करने की प्रक्रिया कानून निर्माण और वार्षिक बजट तैयार करने की जानकारी दी।

इसके बाद 3 नवंबर को विद्यार्थियों ने मध्यप्रदेश विधानसभा का भ्रमण कर संसदीय व्यवस्था को करीब से समझा। इस शैक्षणिक पहल का उद्देश्य युवाओं में लोकतांत्रिक संस्थाओं और संसदीय प्रक्रियाओं के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। संसदीय पद्धति एवं प्रक्रिया प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा करने वाले सभी विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र भी प्रदान किए गए।

विधानसभा का शीतकालीन सत्र पांच दिन का रखने पर उमंग सिंघार ने उठाए सवाल

भोपाल,यश भारत। मध्यप्रदेश विधानसभा के आगामी शीतकालीन सत्र को पांच दिन का रखने पर नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने भाजपा सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में समस्याओं का अंबार है, लेकिन सरकार विधानसभा में चर्चा के लिए पर्याप्त समय नहीं दे रही है। सिंघार ने कहा कि इससे पहले मानसून सत्र भी पांच दिन के लिए बुलाया गया था लेकिन उसे तीन दिन में ही समाप्त कर दिया गया। उन्होंने बालाघाट में बच्चों की मौत सागर और देवास में जहरीली शराब से हुई मौतों



किसानों की बदहाली बेरोजगारी महिला सुरक्षा आदिवासी अधिकार शिक्षा, स्वास्थ्य और प्रदेश पर बढ़ते कर्ज जैसे मुद्दे उठाए। उन्होंने कहा कि प्रदेश की 230 विधानसभा सीटों से चुने गए विधायक सात करोड़ से अधिक लोगों का प्रतिनिधित्व करते हैं। ऐसे में जनहित के मुद्दों पर चर्चा के लिए सत्र की अवधि बढ़ाई जानी चाहिए। सिंघार ने कहा कि कांग्रेस विधायक दल सदन में जनता से जुड़े सभी महत्वपूर्ण मुद्दे मजबूती से उठाएगा और सरकार से जवाब मांगेगा।

प्रदेश में 9 नवंबर को मनेगा गोवर्धन पर्व, भोपाल में होगा राज्य स्तरीय समारोह

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव करेंगे पशुपालकों का सम्मान, 5.51 लाख निराश्रित गोवंश के भरण-पोषण के लिए 60 करोड़ से अधिक की राशि होगी जारी

भोपाल,यश भारत ।

मध्यप्रदेश में 9 नवंबर को प्रदेशव्यापी गोवर्धन पूजन कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इसके तहत प्रदेश की तीन हजार से अधिक गौशालाओं में गोवर्धन पूजा, गोवंश संरक्षण और पशुपालक सम्मान के कार्यक्रम होंगे।

मुख्य राज्य स्तरीय समारोह भोपाल के रवींद्र भवन में आयोजित किया जाएगा जिसमें मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शामिल होंगे। संस्कृति विभाग एवं पशुपालन तथा डेयरी विभाग के सहयोग से आयोजित समारोह में मुख्यमंत्री गोपाल-कृष्ण ग्राम पुरस्कार योजना के विजेता पशुपालकों को पुरस्कार राशि वितरित करेंगे।

इस दौरान प्रदेश की तीन हजार से अधिक पंजीकृत गौशालाओं में संरक्षित 5 लाख 51 हजार निराश्रित गोवंश के



भरण-पोषण के लिए 60 करोड़ रुपये से अधिक की राशि अंतरित की जाएगी। श्रीकृष्ण पाथेय न्यास के मुख्य कार्यपालक अधिकारी श्रीराम तिवारी ने बताया कि सरकार गौवंश संरक्षण और संवर्धन के लिए गौशालाओं को प्रति गोवंश प्रतिदिन 40 रुपये अनुदान दे रही है। आयोजन का उद्देश्य गौसेवा और पशुपालन के प्रति जनभागीदारी बढ़ाना है।



जिला अस्पताल में बनेंगे पांच पेइंग वार्ड

रोगी कल्याण समिति की बैठक में कलेक्टर और विधायक ने सुविधाएं बढ़ाने के दिए निर्देश

कटनी,यशभारत। जिला चिकित्सालय में पांच पेइंग वार्ड विकसित किए जाएंगे। पंजीयन काउंटरों पर मरीजों की सुविधा के लिए टोकन और माइक प्रणाली भी शुरू होगी। कलेक्टर आशीष तिवारी की अध्यक्षता और विधायक संदीप जायसवाल की उपस्थिति में हुई रोगी कल्याण समिति की बैठक में ये निर्णय लिए गए। बैठक में आईसीयू, बर्न यूनिट और क्रिटिकल केयर सेवाओं को बेहतर बनाने, ड्रेनेज सुधारने, शेड निर्माण और सीसीटीवी कैमरे लगाने के निर्देश दिए गए। चिकित्सकों एवं कर्मचारियों को मरीजों के प्रति संवेदनशील व्यवहार रखने की हिदायत भी दी गई।इस दौरान सेवाभावी कर्मचारी आदित्य मिश्रा और कृष्णा रजक को सम्मानित किया गया। बैठक में जिला पंचायत सीईओ हर सिमरनप्रीत कौर, सीएमएचओ डॉ. राज सिंह ठाकुर और सिविल सर्जन डॉ. यशवंत वर्मा सहित समिति के सदस्य मौजूद रहे।

स्वदेशी उत्पाद खरीदकर महिलाओं का बढ़ाया उत्साह

धनतेरस पर जिला पंचायत सीईओ ने खरीदे मिट्टी के दीपक और रंगोली

कटनी,यशभारत। धनतेरस पर जिला पंचायत सीईओ हर सिमरनप्रीत कौर ने स्व सहायता समूह पिपरिया कला की महिलाओं द्वारा तैयार मिट्टी के दीपक और रंगोली के पैकेट नगद भुगतान कर खरीदे। उन्होंने महिलाओं के हुनर और मेहनत की सराहना की। इस दौरान अचार, शुद्ध घी सहित अन्य



उत्पादों का भी अवलोकन किया गया। अतिरिक्त सीईओ अनुराग मोदी सहित अन्य अधिकारियों-कर्मचारियों ने भी खरीदारी कर महिलाओं का उत्साह बढ़ाया।

ढीमरखेड़ा में 52 हजार पौधे तैयार करने की क्षमता वाली नेटशेड नर्सरी

तीन पंचायतों में किसानों को दो रुपये में मिलेगी सब्जियों की पौध

कटनी,यशभारत। प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना-वाटरशेड के तहत ढीमरखेड़ा की भटगवां, खंदवारा और भमका पंचायत में नेटशेड नर्सरी तैयार की गई हैं। प्रत्येक नेटशेड में एक लॉट में 52 हजार पौधे तैयार करने की क्षमता है। वर्तमान रबी सीजन में मिर्च, बैंगन, टमाटर और फूलगोभी की पौध तैयार की गई है, जो किसानों को दो रुपये प्रति पौधे की दर से मिलेगी। कलेक्टर आशीष तिवारी के निर्देश और जिला पंचायत सीईओ हर सिमरनप्रीत कौर की निगरानी में संचालित इस पहल से किसानों को कम लागत में गुणवत्तापूर्ण पौध उपलब्ध होगी।

क्रेशर संचालक ने खोला रास्ता, ग्रामीणों को मिली राहत



रास्ता बंद होने से किसानों को खेतों तक पहुंचने में हो रही थी परेशानी

ग्रामीणों की आवाज उठने पर खुला मार्ग

बरही, यशभारत। आम रास्ता बंद होने के कारण किसानों एवं ग्रामीणों को अपने खेतों तक पहुंचने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। ग्रामीणों द्वारा समस्या को प्रमुखता से उठाए जाने के बाद क्रेशर संचालक ने बंद रास्ते को आवागमन के लिए खोल दिया है। मार्ग बहाल होने से किसानों एवं ग्रामीणों ने राहत की सांस ली है। मामला बरही तहसील क्षेत्र के ग्राम करौंदी कला का है, जहां संचालित मां शारदा माइंस एंड मिनरल्स के संचालक द्वारा रास्ते पर आवागमन बंद कर दिया गया था। इससे आसपास के किसानों को अपने खेतों तक पहुंचने में परेशानी हो रही थी। वहीं इस मामले में क्रेशर संचालक जिग्नेश ग्रोवर का कहना है कि जिस भूमि पर रास्ता बताया जा रहा है, वह उनकी निजी भूमि है। उक्त स्थान पर नए क्रेशर के संचालन की तैयारियां की जा रही हैं। उनका दावा है कि रास्ता खुला रहने के कारण निर्माण सामग्री की चोरी हो रही थी। इसके अलावाए पास के एक किसान द्वारा उनकी निजी भूमि पर कब्जा किए जाने का भी आरोप लगाया गया है। संचालक के अनुसारए उक्त भूमि का सीमांकन एवं पंचनामा राजस्व विभाग बरही के माध्यम से कराया जा चुका है। अब कथित कब्जे से बेदखली के लिए एसडीएम न्यायालय में मध्यप्रदेश भू.राजस्व संहिता की धारा 250 के तहत कार्रवाई प्रस्तावित है। उन्होंने यह भी कहा कि कब्जा हटने के बाद किसानों को खेतों तक पहुंचने के लिए स्थायी रास्ता उपलब्ध कराया जाएगा। फिलहाल बंद मार्ग को आवागमन के लिए खोल दिए जाने से ग्रामीणों को अस्थायी राहत मिली है।

त्योहार पर सफाई व्यवस्था की निगरानी



कटनी,यशभारत। दीपावली पर्व के मद्देनजर शहर की सफाई व्यवस्था का जायजा लेने महापौर प्रीति संजीव सूरी ने बस स्टैंड सहित अन्य क्षेत्रों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने बस स्टैंड परिसर में विशेष सफाई अभियान चलाने और नियमित कचरा उठाव सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। महापौर ने कहा कि बस स्टैंड शहर का प्रमुख सार्वजनिक स्थल है, जहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में यात्रियों का आवागमन होता है। इसके बावजूद सफाई व्यवस्था में लापरवाही नहीं होनी चाहिए। उन्होंने दुकानदारों और नागरिकों को स्वच्छता के प्रति समझाइश देने के साथ नियमों का उल्लंघन करने वालों पर चालानी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। महापौर ने डॉ. विकास गुप्ता के समीप स्थित गली और आसपास के क्षेत्रों का भी निरीक्षण किया। उन्होंने नालियों की नियमित सफाई, समय पर कचरा संग्रहण और सार्वजनिक स्थलों की निगरानी सुनिश्चित करने को कहा।

45 हजार की रिश्वत लेते रेलवे सीनियर सेक्शन इंजीनियर गिरफ्तार

कटनी जंक्शन में सीबीआई की कार्रवाई, कोर्ट ने 12 नवंबर तक न्यायिक हिरासत में भेजा

कटनी, यशभारत। कटनी जंक्शन पर भ्रष्टाचार के खिलाफ केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। सीबीआई, एसीबी जबलपुर की टीम ने कटनी जंक्शन में इलेक्ट्रिकल विभाग में तैनात रेलवे के सीनियर सेक्शन इंजीनियर अजय वीर सिंह को 45 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। आरोपी को अदालत में पेश करने के बाद 12 नवंबर तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। रेल सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार यह पूरी कार्रवाई सीबीआई की भ्रष्टाचार निवारण इकाई जबलपुर द्वारा एक परिवादी की शिकायत के आधार पर की गई है। शिकायतकर्ता तेजराम कुशवाहा ने सीबीआई में शिकायत दर्ज कराई थी कि रेलवे से जुड़े किसी कार्य या बिल भुगतान के



एवज में सीनियर सेक्शन इंजीनियर अजयवीर सिंह द्वारा रिश्वत की मांग की जा रही है। शिकायत का सत्यापन कराने के बाद सीबीआई टीम ने योजनाबद्ध तरीके से ट्रैप कार्रवाई की और आरोपी अजयवीर सिंह को 45 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों दबोच लिया।

भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज

रिश्वत रंगे हाथों पकड़े जाने के बाद सीबीआई ने आरोपी इंजीनियर के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया है और उससे पूछताछ जारी है। शुक्रवार को सीबीआई की टीम आरोपी को कड़ी सुरक्षा के बीच विशेष न्यायालय लेकर पहुंची। अदालत ने सुनवाई के बाद आरोपी अजयवीर सिंह को 12 नवंबर तक के लिए न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। रेलवे विभाग में केंद्रीय एजेंसी की इस बड़ी कार्रवाई से कटनी और जबलपुर के प्रशासनिक हलकों में हड़कंप मच गया है।

मानसिक और शारिरिक विकास के लिए खेल आवश्यक

कटनी, यशभारत। यूनिटेक क्रिकेट क्लब द्वारा त्रिकोणीय क्रिकेट श्रृंखला 5 आयोजित की गई। इस अवसर पर समापन एवं पुरस्कार वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत कटनी के उपाध्यक्ष अशोक विश्वकर्मा की गरिमामयी उपस्थिति रही। श्री विश्वकर्मा ने खिलाड़ियों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए ट्रॉफी एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। श्री विश्वकर्मा ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि खेल न केवल शारीरिक और मानसिक विकास का माध्यम है, बल्कि अनुशासन, टीम भावना एवं आपसी भाईचारे की सीख भी देता है।



हरी मिर्च और भुनी हुई मूंगफली की झन्नाटेदार चटनी खोल देगी सारे टेस्ट बड्स, मिनटों में तैयार होगी रेसिपी

नई दिल्ली, एजेंसी। *चटनी खाने में साइड डिश ज़रूर होती है लेकिन इसका स्वाद कभी कभी में डिश पर भारी पड़ता है। आज हम आपको मूंगफली की स्वाद से भरपूर चटनी की रेसिपी के बारे में बताएंगे। इसका स्वाद इतना लाजवाब होता है कि आप इडली और डोसा इसके बिना खाएंगे ही नहीं। भुनी हुई मूंगफली की झन्नाटेदार चटनी आपके टेस्ट बड्स को खोल देती ह। इसे बनाना बेहद आसान होता है और मिनटों में तैयार हो जाती है। इसे आप इडली, डोसा के साथ ही नहीं बल्कि पराठे, रोटी या दाल-चावल के साथ खा सकते हैं। तो चलिए जानते हैं कैसे बनाएं ये स्वाद से भरपूर चटनी?*

मूंगफली की चटनी के लिए सामग्रीः

भुनी हुई मूंगफली आधा कप, 4-5 हरी मिर्च, 2 से 3 लहसुन की कलियाँ, आधा चम्मच नींबू का रस, नमक स्वादानुसार, पानी ज़रूरत अनुसार

तड़के के लिए सामग्री

तेल 1 चम्मच, राई आधा छोटा चम्मच, उड़द दाल आधा छोटा चम्मच, करी पत्ता 5-6, सूखी लाल मिर्च 1-2

हरी मिर्च और भुनी हुई मूंगफली की चटनी बनाने की विधि?

पहला स्टेप- सबसे पहले एक पैन में धीमी आंच पर कच्चे मूंगफली को तब तक भूनें जब तक कि वे कुरकुरी न हो जाएं। ठंडा करके उसके छिल्के उतार लें। अब, एक मिक्सर जार में भुनी हुई मूंगफली, हरी मिर्च, लहसुन डालें और बारीक या दरदरा अपनी पसंद के अनुसार पीस लें। ध्यान रहे कि चटनी बहुत ज़्यादा पतली न हो। जब पीस जाए तो एक बाउल में निकालकर उसमें नींबू का रस और स्वाद अनुसार नमक मिलाएं

दूसरा स्टेप- अब एक छोटे पैन में तेल गरम कर उसमें राई डालें। जब राई चटकने लगे, तो उसमें उड़द दाल और करी पत्ता डालें। उड़द दाल के हल्का सुनहरा होने तक भूनें। अंत में सूखी लाल मिर्च डालें और फिर इस तैयार तड़के को तुरंत पीसी हुई चटनी के ऊपर डालें और अच्छी तरह मिला लें।

तीसरा स्टेप- आपकी झन्नाटेदार हरी मिर्च और भुनी हुई मूंगफली की चटनी तैयार है! इसे तुरंत गरमागरम इडली, डोसा, वड़ा, उत्तपम के साथ परोसें और इसके तीखे, चटपटे स्वाद का आनंद लें। यह चटनी फ्रिज में 3-4 दिनों तक ताज़ी रहती है।

आज खाने में बनाएं बेसन के चीला की स्वादिष्ट सब्जी

नई दिल्ली, एजेंसी। *रोज-रोज क्या सब्जी बनाएं इसे लेकर ज्यादातर महिलाएं परेशान रहती है। कई बार घर में कोई सब्जी नहीं होती या वही एक जैसी सब्जियां खाने का मन नहीं करता है, ऐसे में आप बेसन के चीला की टेस्टी सब्जी बनाकर खा सकते हैं। बेसन के चीला की सब्जी दिखने में जितनी लजीज लगती है स्वाद में ये सब्जी उतनी ही बेहतरीन बनती है। खास बात ये है कि बेसन के चीला की सब्जी को आप किसी भी सीजन में बनाकर खा सकते हैं। इसे बनाना बेहद आसान है। जानिए बेसन के चीला की सब्जी कैसे बनाते हैं और क्या है ये रेसिपी।*



बेसन के चीला की सब्जी बनाने की रेसिपी

पहला स्टेप- करीब 1 कप बेसन लें और उसमें थोड़ी अजवाइन क्रश करके डाल दें। बेसन में थोड़ा जीरा पाउडर, कसूरी मेथी, नमक, हल्दी पाउडर और ताजा धनिया डालें। अब 1 कप के करीब पानी डालकर घोल तैयार कर लें।

दूसरा स्टेप- तवे पर घी लगाकर बेसन के घोल से चीला फैला दें। अब चीला को पलटते हुए रैप की तरह शेप दें। यानि एक साइड से पलटकर बीच में लाएं। फिर दूसरी साइड से भी पलटकर बीच में लाएं। अब दोनों साइड से पलटकर लंबा फोल्ड बनाकर उतार लें। इसी तरह सारे चीला सेंक लें।

तीसरा स्टेप- अब फोल्ड किए हुए चीला को बर्फी जैसे पीस में कट कर लें। इन्हें साइड में रख लें और एक कड़ाही में सब्जी के लिए ग्रेवी तैयार कर लें। इसके लिए पैन या कड़ाही में सरसों का तेल डालें। जीरा, हींग डालें और इसमें 10 कली लहसुन, 1 इंच अदरक और 2 प्याज को कद्दूकस करके या पीसकर डालें।

चौथा स्टेप- इसी में 3-4 हरी मिर्च काटकर डालें। करीब 2 मीडियम टमाटर को पीसकर ग्रेवी बना लें। प्याज भुनने के बाद पिसा टमाटर डालें और सारे सूखे मसाले जैसे धनिया पाउडर, हल्दी पाउडर, लाल मिर्च पाउडर, कश्मीरी लाल मिर्च पाउडर, नमक और आमचूर पाउडर डालें। मसाले को तेल छोड़ने तक भून लें।

पांचवां स्टेप- अब मसाले में 2 कप पानी डालें और ग्रेवी में एक उबाल आने के बाद इसमें पीस किए हुए चीला को डाल दें। अब कवर करके सब्जी को 10 मिनट के लिए धीमी आंच पर पकने दें। सब्जी बनने के बाद गरम मसाला डालें और हरा धनिया डालकर सर्व करें।

नाश्ते में बनाएं मलाई का पराठा, चीज पनीर का स्वाद भी लगेगा फीका, फटाफट नोट कर लें रेसिपी



नई दिल्ली, एजेंसी। पराठे ज्यादातर घरों में बनते हैं। आलू, प्याज, गोभी और पनीर के पराठे लोगों को खूब पसंद होते हैं। लेकिन क्या आपने कभी मलाई का पराठा खाया है। जी हां दूध में पड़ने वाली मलाई से पराठा भी बन जाता है। अब आप सोच रहे होंगे कि मलाई से पराठा कैसे बनता होगा और इसका स्वाद कैसे लगता होगा। मलाई का पराठा खाने में चीज और पनीर के पराठे से भी ज्यादा टेस्टी बनता है। जानिए मलाई पराठा की रेसिपी।

मलाई पराठा रेसिपी

पहला स्टेप- मलाई का पराठा बनाने के लिए गेहूं का आटा गूंथ लें। ध्यान रखें आपको पराठे के लिए एकदम नरम आटा गूथकर तैयार करना है। आटे 10 मिनट तक सेट होने के लिए रख दें।

दूसरा स्टेप- अब एक बाउल में मलाई लें। मलाई गाढ़ी होनी चाहिए और उसमें दूध बिल्कुल भी नहीं होना चाहिए। आप 1-2 दिन पुरानी मलाई का इस्तेमाल करें जो फ्रिज में रखने पर हल्की जम जाती है। मलाई को हल्का फेंट लें।

तीसरा स्टेप- अब आटे से 2 बराबर साइज की लोई लें। मीडियम पराठे के हिसाब से लोई का साइज रखें। एक लोई को रोटी जैसा बेल लें और प्लेट में रख लें। अब दूसरी लोई को भी रोटी जैसा बेल लें। अब एक लोई पर चम्मच से मलाई लगाएं।

चौथा स्टेप- मलाई के ऊपर पिसी चीनी या बूरा डालें। मिठास अपने हिसाब से रखें और ऊपर से इलायची पाउडर, पिस्ता बारीक कटे या ड्राई फ्रूट्स का पाउडर, नारियल पाउडर डालकर तैयार करें। अब जो दूसरी रोटी बेली हुई है उसे ऊपर से रखकर कॉर्नर को बंद कर दें।

पांचवां स्टेप- आप चाहें तो पराठे को 1-2 बार बेलन से हल्का और बढ़ा लें। अगर पराठा फटने का डर है तो ऐसे ही दोनों रोटियों को चिपकाकर तवे पर डालकर मीडियम फ्लेम पर पराठे को सेंक लें। मलाई पराठे को देसी घी में सेंक कर खाएं।

छठा स्टेप- ये पराठा खाने में इतना टेस्टी लगता है कि आपको किसी मिठाई की जरूरत नहीं होगी। एकदम मीठा और स्वाद से भरपूर मलाई पराठा बनकर तैयार है। बच्चों को इस तरह बना मलाई का पराठा खूब पसंद आता है।

प्याज का सिरका खाने में जोड़ता है एक्स फैक्टर, रेस्टोरेंट स्टाइल में घर पर ही बनाएं ये रेसिपी, झटपट नोट कर लें विधि

नई दिल्ली, एजेंसी। प्याज का सिरका सिर्फ एक साधारण सिरका नहीं, बल्कि स्वाद का एक पावरहाउस है जो आपके सलाद, मैरिनेड, सूप या किसी भी व्यंजन में एक लाजवाब ट्विस्ट ला सकता है। इसे बनाना बेहद आसान है और इसकी खुशबू और स्वाद आपके घर के किचन को एक नया आयाम देंगे। इसमें प्याज की प्राकृतिक मिठास और सिरके की खटास का एक बेहतरीन संतुलन होता है, जो खाने को एक अलग ही स्तर पर ले जाता है। तो, अगर आप अपने कुकिंग स्किल्स को अपग्रेड करना चाहते हैं और अपने खाने को यादगार बनाना चाहते हैं, तो यह रेस्टोरेंट स्टाइल प्याज का सिरका बनाना सीखें। आइए झटपट इसकी विधि नोट कर लें।



प्याज का सिरका के लिए सामग्री-

प्याज 2-3 प्याज, सफेद सिरका 2 कप, लहसुन 2-3, एक बीटरूट, दो हरी मिर्च

प्याज का सिरका बनाने की विधि-

पहला स्टेप- प्याज को छीलकर पतले स्लाइस में काट लें या छोटे क्यूब्स में काट लें। आप चाहें तो उन्हें थोड़ा मोटा भी काट सकते हैं। अब, एक कांच का जार लें जिसका ढक्कन कसकर बंद होता हो। कटे हुए प्याज को जार में डालें। अगर आप लहसुन, काली मिर्च या जड़ी-बूटियाँ डाल रहे हैं, तो उन्हें भी प्याज के साथ जार में डाल दें।

दुसरा स्टेप- जार में धीरे-धीरे सफेद सिरका डालें, यह सुनिश्चित करते हुए कि प्याज पूरी तरह से सिरके में डूबे हुए हों। जार के ऊपर थोड़ा खाली स्थान छोड़ दें। जार का ढक्कन कसकर बंद कर दें।

तीसरा स्टेप- जार को ठंडी, जगह पर रखें। अगले 2-3 हफ़्तों के लिए इसे वहीं रखा रहने दें। हर कुछ दिनों में जार को धीरे से हिलाएं ताकि सामग्री अच्छी तरह से मिल जाए। 2-3 हफ़्तों के बाद, छलनी का उपयोग करके सिरके को छान लें। प्याज और अन्य ठोस सामग्री को हटा दें। तैयार प्याज के सिरके को एक साफ, बोतल में भर लें और ढक्कन कसकर बंद कर दें। आप इस सिरके का उपयोग सलाद ड्रेसिंग, मैरिनेड, सूप, स्टू और अन्य व्यंजनों में स्वाद बढ़ाने के लिए कर सकते हैं। यह सब्जियों को अचार बनाने के लिए भी एक अच्छा विकल्प है। यदि आपको सिरके में कोई फंगस या असामान्य गंध दिखाई दे, तो इसका उपयोग न करें।

दिवाली से पहले अमूल ने बढ़ाए घी और बटर के दाम, 50 रुपये तक महंगा हुआ घी

नई दिल्ली, एजेंसी। त्योहारों से पहले आम लोगों को महंगाई का एक और झटका लगा है। देश की प्रमुख डेयरी कंपनी अमूल ने घी और बटर की कीमतों में बढ़ोतरी कर दी है। इससे दिवाली पर मिठाइयां और पकवान तैयार करने वाले परिवारों का घरेलू बजट प्रभावित हो सकता है। घी की कीमत में सबसे ज्यादा 50 रुपये प्रति किलो तक की वृद्धि की गई है। वहीं, कीमतें बढ़ने के साथ गुजरात के कई शहरों में अमूल के गाय के घी की उपलब्धता को लेकर भी शिकायतें सामने आई हैं। अमूल की नई दरों के अनुसार, एक किलो घी का कार्टन अब 680 रुपये में मिलेगा, जबकि पहले इसकी कीमत 630 रुपये थी। इस तरह एक किलो के पैक पर सीधे 50 रुपये की बढ़ोतरी हुई है। वहीं, 500 ग्राम प्योर घी के पाउच की कीमत 325 रुपये से बढ़ाकर 345 रुपये कर दी गई है। यानी इस पैक के लिए ग्राहकों को अब 20 रुपये अतिरिक्त खर्च करने होंगे। कंपनी ने बटर की कीमतों में भी इजाफा किया है। 100 ग्राम बटर का पैक अब 66 रुपये में मिलेगा, जबकि पहले इसकी कीमत 63 रुपये थी। इसी तरह 500 ग्राम बटर



की कीमत 310 रुपये से बढ़ाकर 325 रुपये कर दी गई है। इन बदलावों का असर उन परिवारों पर अधिक पड़ सकता है, जो रोजमर्रा के इस्तेमाल के साथ त्योहारों पर भी घी और बटर की ज्यादा खरीदारी करते हैं। कीमतों में बढ़ोतरी के पीछे बाजार में मांग बढ़ने और आपूर्ति पर दबाव को प्रमुख वजह बताया जा रहा है। गुजरात और राजस्थान में मिलावटी घी के खिलाफ कार्रवाई के बाद ग्राहकों का रुझान ब्रांडेड घी की ओर बढ़ा है। रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले छह महीनों में करीब दो लाख किलो नकली घी जब्त किया गया है। इसके बाद उपभोक्ताओं के बीच प्रमाणित कंपनियों के उत्पादों की मांग बढ़ने की बात कही जा रही है। त्योहारों के दौरान घी की खपत सामान्य दिनों की तुलना में बढ़ जाती है। मिठाइयों, नमकीन और पारंपरिक पकवानों को तैयार करने में इसका बड़े पैमाने पर इस्तेमाल होता है। ऐसे में दिवाली से पहले मांग बढ़ने से बाजार में उपलब्धता पर दबाव पड़ा है। बढ़ती मांग और सीमित आपूर्ति के बीच कीमतों में हुई वृद्धि ने उपभोक्ताओं की चिंता बढ़ा दी है। गुजरात के अहमदाबाद और वडोदरा के कई इलाकों में अमूल के गाय के घी की कम आपूर्ति की शिकायतें भी सामने आई हैं। कुछ अमूल पार्लर संचालकों के अनुसार, उन्हें जरूरत के मुकाबले कम मात्रा में घी मिल रहा है। इससे ग्राहकों को मांग के अनुसार उत्पाद उपलब्ध कराने में परेशानी हो रही है। पुणे, कोलकाता और जम्मू-कश्मीर से भी पहले आपूर्ति संबंधी समस्याओं की खबरें सामने आ चुकी हैं।

अक्टूबर में सेवा क्षेत्र की गतिविधियों में चार महीने की सबसे तेज वृद्धि



नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के सेवा क्षेत्र की कारोबारी गतिविधियों में अक्टूबर में चार महीने की सबसे तेज वृद्धि दर्ज की गई। मजबूत मांग के चलते कंपनियों को नए ऑर्डर मिले और कारोबारी गतिविधियों में तेजी आई। वहीं, लागत का दबाव कम होने से महंगाई के मोर्चे पर भी कुछ राहत के संकेत मिले हैं। बुधवार को जारी मासिक सर्वेक्षण में यह जानकारी सामने आई। हालांकि, कंपनियां भविष्य की संभावनाओं को लेकर सतर्क रहीं और उन्होंने कर्मचारियों की भर्ती की रफ्तार भी धीमी रखी। मौसमी प्रभावों से समायोजित एचएसबीसी इंडिया सेवा क्रय प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) सितंबर के 55.2 से बढ़कर अक्टूबर में 55.8 पर पहुंच गया। यह पिछले चार महीने का उच्चतम स्तर है। पीएमआई में 50 से अधिक अंक कारोबारी गतिविधियों में विस्तार और 50 से कम अंक संकुचन का संकेत देते हैं। अक्टूबर के आंकड़े बताते हैं कि सेवा क्षेत्र में मांग और कारोबारी परिस्थितियों में लगातार सुधार हो रहा है। एचएसबीसी की मुख्य अर्थशास्त्री (भारत) प्रांजुल भंडारी ने कहा कि अक्टूबर में सेवा पीएमआई बढ़कर 55.8 हो गया, जो चार महीने का उच्चतम स्तर है। इस दौरान कारोबारी परिस्थितियों में सतर्कता के साथ सुधार हुआ। उन्होंने कहा कि कुल मांग मजबूत बनी रही, लेकिन नए निर्यात ऑर्डर में वृद्धि की रफ्तार फरवरी 2023 के बाद सबसे धीमी रही। सर्वेक्षण में शामिल कंपनियों ने उत्पादन में बढ़ोतरी की प्रमुख वजह नए कारोबार और ऑर्डर में वृद्धि को बताया। मांग की अनुकूल परिस्थितियों, नए ग्राहकों के जुड़ने और विज्ञापन अभियानों की सफलता से कंपनियों को अतिरिक्त कारोबार मिला। इससे सेवा क्षेत्र की गतिविधियों को मजबूती मिली और कारोबारी माहौल में सुधार दर्ज किया गया।

नवंबर से लागू हुए कई वित्तीय बदलाव पेंशनर्स और निवेशकों पर पड़ेगा असर

नई दिल्ली, एजेंसी। नवंबर की शुरुआत के साथ ही देश में कई महत्वपूर्ण वित्तीय नियमों में बदलाव लागू हो गए हैं। इनका असर पेंशनभोगियों, म्यूचुअल फंड निवेशकों, बैंक ग्राहकों, कारोबारियों और करदाताओं पर पड़ेगा। नए प्रावधानों में जीवन प्रमाण पत्र जमा करने की समय-सीमा, म्यूचुअल फंड के डायरेक्ट प्लान, बैंकिंग शुल्क, आयकर रिटर्न और जीएसटी से जुड़े नियम शामिल हैं। ऐसे में लोगों के लिए इन बदलावों की जानकारी रखना जरूरी है, ताकि समय पर आवश्यक प्रक्रिया पूरी की जा सके और अतिरिक्त शुल्क या अन्य परेशानी से बचा जा सके। सरकारी पेंशन पाने वाले 80 वर्ष से कम उम्र के पेंशनभोगियों को 1 से 30 नवंबर के बीच अपना जीवन प्रमाण पत्र यानी



लाइफ सर्टिफिकेट जमा करना होगा। वहीं, 80 वर्ष या उससे अधिक उम्र के पेंशनभोगियों के लिए यह प्रक्रिया 1 अक्टूबर से शुरू हो चुकी है। निर्धारित अवधि में प्रमाण पत्र जमा नहीं करने पर पेंशन भुगतान प्रभावित हो सकता है। इसलिए पेंशनभोगियों को समय-सीमा का ध्यान रखने की जरूरत है। जीवन प्रमाण पत्र जमा करने के लिए पेंशनभोगियों को बैंक शाखा जाने के अलावा डिजिटल माध्यमों का विकल्प भी उपलब्ध है। इसे जीवन प्रमाण ऐप के जरिए ऑनलाइन जमा किया जा सकता है। इसके साथ ही डोरस्टेप बैंकिंग की सुविधा के माध्यम से भी यह प्रक्रिया पूरी की जा सकती है। इससे विशेष रूप से बुजुर्ग और ऐसे पेंशनभोगियों को सहूलियत मिल सकती है, जिन्हें बैंक तक पहुंचने में परेशानी होती है। म्यूचुअल फंड निवेशकों के लिए भी नवंबर से नया बदलाव लागू हुआ है। अब म्यूचुअल फंड कंपनियों की वेबसाइट और ऐप पर डायरेक्ट प्लान डिफॉल्ट विकल्प के रूप में उपलब्ध होगा। इस व्यवस्था का उद्देश्य निवेशकों को कम कमीशन वाले और अपेक्षाकृत कम लागत के निवेश विकल्पों की ओर प्रोत्साहित करना है। हालांकि, पहले से किए गए निवेश और मौजूदा सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) पर इस बदलाव का असर नहीं पड़ेगा।

म्यूचुअल फंड निवेशकों को एएमएफआई ने दिए दीर्घकालिक निवेश के तीन मंत्र

नई दिल्ली, एजेंसी। नए संवत की शुरुआत पर एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी वेंकट एन. चलसानी ने म्यूचुअल फंड निवेशकों के लिए निवेश के तीन महत्वपूर्ण मंत्र साझा किए हैं। उन्होंने निवेशकों को दीर्घकालिक लक्ष्य तय करने, निवेश में अनुशासन बनाए रखने और बाजार में उतार-चढ़ाव के बावजूद सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) जारी रखने की सलाह दी। उनका कहना है कि निवेश को स्पष्ट उद्देश्य से जोड़ना और जिम्मेदारी के साथ आगे बढ़ना जरूरी है। चलसानी ने कहा कि निवेशकों को बाजार के रोजाना होने वाले उतार-चढ़ाव के बजाय लंबी अवधि के लक्ष्यों पर ध्यान देना चाहिए। बाजार में तेजी या गिरावट के आधार पर बार-बार निवेश की रणनीति बदलने से बचना चाहिए। उनके अनुसार, निवेश का फैसला जल्दबाजी में लेने के बजाय तय लक्ष्य और समयावधि को ध्यान में रखकर करना अधिक उपयोगी हो सकता है। उन्होंने विशेष रूप से बाजार में गिरावट के दौरान भी एसआईपी जारी रखने पर जोर



दिया। एसआईपी के माध्यम से निवेशक नियमित अंतराल पर एक निश्चित राशि निवेश करते हैं। बाजार में कीमतें कम होने पर उसी राशि में अधिक यूनिट मिलती हैं, जबकि कीमतें बढ़ने पर कम यूनिट खरीदी जाती हैं। इससे समय के साथ खरीद की औसत लागत संतुलित करने में मदद मिल सकती है। चलसानी ने एसआईपी की इस प्रक्रिया को ऑनलाइन सेल में खरीदारी से जोड़कर समझाया। जिस तरह छूट के दौरान समान रकम में अधिक सामान खरीदा जा सकता है, उसी तरह बाजार में गिरावट के समय निवेश की निश्चित राशि से अधिक यूनिट मिल सकती हैं। हालांकि, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि एसआईपी से मिलने वाले रिटर्न की कोई गारंटी नहीं होती और निवेश बाजार के जोखिमों के अधीन रहता है। वित्तीय जानकारों के अनुसार, म्यूचुअल फंड में निवेश करने वालों को कम से कम पांच साल का नजरिया रखना चाहिए। दो से तीन साल की अवधि में बाजार में उतार-चढ़ाव होना सामान्य है। ऐसे में केवल कुछ समय के प्रदर्शन को देखकर निवेश से बाहर निकलने या रणनीति बदलने का फैसला करना नुकसानदेह हो सकता है। एएमएफआई के सीईओ ने भारत की अर्थव्यवस्था की विकास संभावनाओं का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि मैन्युफैक्चरिंग और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में नए अवसर उभर रहे हैं। देश की युवा आबादी, नियंत्रित महंगाई और बढ़ती खपत जैसे कारक आर्थिक विकास को गति देने में सहायक हो सकते हैं। चलसानी ने निवेशकों से भारत की विकास यात्रा पर भरोसा बनाए रखने और इसमें निवेश के माध्यम से भागीदारी जारी रखने का आग्रह किया। उनके अनुसार, निवेशकों को बाजार की हर तेजी और गिरावट पर प्रतिक्रिया देने के बजाय अपने वित्तीय उद्देश्यों को प्राथमिकता देनी चाहिए। दीर्घकालिक योजना, नियमित निवेश और अनुशासन के साथ आगे बढ़ना ही उनके संदेश के तीन प्रमुख आधार हैं।

अनिश्चितताओं से घिरा रहा है सैमसन का करियर



मुम्बई (यशभारत)। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन अपने अच्छे प्रदर्शन के बाद भी आज तक भी टीम में अपनी जगह पक्की नहीं कर पाये हैं। इसके पीछे एक बड़ा कारण निरंतरता की कमी को बताया जाता है। वहीं कई दिग्गजों कहना है कि इस अनिश्चितता के पीछे केवल उनका प्रदर्शन ही नहीं, बल्कि कई अन्य कारण भी जिम्मेदार हैं। इसमें ये भी रहा कि हमेशा उनका क्रम बदला गया जिससे वह किसी भी क्रम पर अपने को स्थापित नहीं कर पाये।

उन्हें कभी पारी की शुरुआत करने भेजा गया, कभी तीसरे नंबर पर, तो कभी मध्य क्रम में बल्लेबाजी करनी पड़ी। यह निरंतर बदलाव किसी भी खिलाड़ी के लिए अपनी लय खोजना मुश्किल बना देता है। इस अस्थिरता के कारण वह खुलकर नहीं खेल पाये क्योंकि उन्हें हमेशा टीम की जरूरत के अनुसार अपनी भूमिका बदलनी पड़ी है, जिससे उनका आत्मविश्वास भी प्रभावित हुआ है। खेल विश्लेषकों का मानना है कि संजू एक शांत स्वभाव के व्यक्ति हैं और सोशल मीडिया पर अन्य खिलाड़ियों की तरह सक्रिय नहीं रहते। इसी कारण शायद उन्हें मीडिया और पूर्व क्रिकेटरों से वह मजबूत समर्थन नहीं मिलता जो कुछ अन्य युवा खिलाड़ियों को मिलता है। हाल ही में न्यूजीलैंड दौरे पर उनके शानदार अर्धशतक के बावजूद, कुछ ही खराब मैचों के बाद उनके करियर पर फिर से सवाल उठने लगे थे। वहीं, देखा गया है कि कुछ अन्य खिलाड़ियों को शुरुआती विफलताओं के बावजूद लगातार मौके मिलते रहते हैं, और एक बड़ी पारी उनकी पिछली कमियों को आसानी से ढक देती है। यह तुलना संजू पर अतिरिक्त मानसिक दबाव डालती है। जब कोई खिलाड़ी एक अर्धशतक लगाकर मैच जिताता है, तो उसके लिए उतनी चर्चा नहीं होती, जबकि किसी अन्य खिलाड़ी के लिए कुछ पूर्व क्रिकेटर सोशल मीडिया पर जमकर तारीफ करते हैं। यह स्थिति संजू को मानसिक रूप से प्रभावित कर सकती है, जिससे उनके खेल पर भी असर पड़ता है। यह बड़ा सवाल है कि संजू को ही क्यों हमेशा अलग-अलग भूमिकाओं में आजमाया जाता है, जबकि अन्य खिलाड़ियों को उनके पसंदीदा स्थान पर खेलने का अवसर मिलता है। टीम प्रबंधन और क्रिकेट विशेषज्ञ अक्सर संजू के एक खराब मैच के बाद उन्हें बाहर करने की बात करते हैं, लेकिन यह नहीं बताते कि उन्हें भारतीय टीम में वह समर्थन और स्थिरता क्यों नहीं मिली जिसके वह हकदार थे। आखिर कोई खिलाड़ी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कैसे दे पाएगा, जब उसके दिमाग में यह चल रहा हो कि अगले मैच में उसे बाहर बैठना पड़ सकता है या उसका बल्लेबाजी क्रम बदला जा सकता है? उनकी प्रतिभा निर्विवाद है, लेकिन उन्हें एक स्थिर मंच और अटूट समर्थन की आवश्यकता है ताकि वह अपनी पूरी क्षमता का प्रदर्शन कर सकें।

शमी के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास पर भावुक हुए प्रशंसक

मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय टीम से बाहर चल रहे अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने आंखिरकार टेस्ट रि केट से संन्यास की घोषणा कर दी। इसी के सा ही शमी का 13 साल का टेस्ट करियर समाप्त हो गया। वह हालांकि एकदिवसीय ओर टी20 प्रारुप खेलते रहेंगे। शमी के टेस्ट से संन्यास के फैसले पर प्रशंसक भावुक हो गये और उन्होंने उनके

अमूल्य योगदान को याद किया। सोशल मीडिया पर उनकी इस खबर से निराशा और भावुक प्रतिक्रियाओं की बाढ़ आ गई। 13 सालों तक अपनी गेंदबाजी से विपक्षी बल्लेबाजों के दिलों में डर पैदा करने वाले शमी के इस फैसले से निराश उनके प्रशंसकों ने कहा कि आजा शायद आलोचकों को जवाब मिल गया होगा। साथ ही कहा, 'आपके योगदान को भारत और क्रिकेट प्रेमी कभी नहीं भूलेंगे।'

गौरतलब है कि 36 साल के शमी लंबे समय से भारतीय टेस्ट टीम से बाहर चल रहे थे और 2025 चैंपियंस ट्रॉफी के बाद से ही टीम में जगह नहीं बना पा रहे थे। आखिरकार उन्होंने सोशल मीडिया में एक भावुक पोस्ट साझा कर अपने संन्यास की घोषणा कर दी, जिसमें उन्होंने स्पष्ट किया कि वह एकदवसीय और टी-20 जैसे सीमित ओवरों के प्रारूप में खेलना जारी रखेंगे। अपने संदेश में, शमी ने कहा कि जब उन्होंने पहली बार भारत की टेस्ट जर्सी पहनी थी, तब उनका सिर्फ एक ही सपना था कि देश के लिए कुछ कर दिखाना। उन्होंने आगे लिखा कि इसके बाद हर विकेट, हर संघर्ष, हर चोट और हर वापसी ने उन्हें कुछ न कुछ सिखाया। टेस्ट क्रिकेट को अपनी



जिंदगी का बेहद खास हिस्सा बताते हुए उन्होंने भारी मन और अनगिनत खूबसूरत यादों के साथ अलविदा कहने की बात कही।

शमी के टेस्ट करियर का सफर आंकड़ों और शानदार स्पेल की एक अनूठी दास्तान रहा है। 6 नवंबर 2013 को कोलकाता के ऐतिहासिक ईडन गार्डन्स मैदान पर वेस्टइंडीज के खिलाफ अपने टेस्ट करियर की शुरुआत करने वाले शमी ने 13 साल के लंबे सफर में भारत के लिए 64 टेस्ट मैच खेले। इस दौरान उन्होंने 27.71 की बेहतरीन गेंदबाजी औसत से कुल 229 विकेट अपने नाम किए। अपने इस सफल टेस्ट करियर के दौरान, उन्होंने छह बार एक पारी में पांच या उससे ज्यादा विकेट हासिल करने का कारनामा किया।

शमी की सबसे बड़ी खासियत नयी और पुरानी दोनों गेंदों से सीम और स्विंग हासिल करने की अद्भुत क्षमता थी। जिसके बल पर वह भारतीय तेज गेंदबाजी आक्रमण के सबसे मजबूत स्तंभ बने और विदेशी पिचों पर भी अपनी एक अलग और खास पहचान बनाई। खासतौर पर दक्षिण अफ्रीका, वेस्टइंडीज और अपनी ही धरती पर शमी का प्रदर्शन बेहतरीन रहा, जहाँ उन्होंने 35 टेस्ट मैचों में 25 से भी कम की शानदार औसत से 131 विकेट लिए। दक्षिण अफ्रीका की उछालभरी और तेज पिचों पर शमी का प्रदर्शन भारतीय क्रिकेट के इतिहास में हमेशा याद रखा जाएगा। 2018 के दक्षिण अफ्रीका दौरे पर जोहानिसबर्ग टेस्ट की दूसरी पारी में शमी ने सिर्फ28 रन देकर 5 विकेट लिए थे।

शमी ने अपना आखिरी टेस्ट मुकाबला जून 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफलंदन के द ओवल मैदान पर आयोजित विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल में खेला था। इसके बाद लगातार चोटों और फिटनेस समस्याओं के कारण उनका टेस्ट करियर प्रभावित रहा और वे टीम से दूर होते चले गए।

महिला एकदिवसीय में सबसे बड़ी पारी खेलने वालों में भारत की दीप्ति भी शामिल

नई दिल्ली (ईएमएस) महिला एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे बड़ी पारियां खेलने वाली शीर्ष दस बल्लेबाजों में भारत की दीप्ति शर्मा भी शामिल हैं। इस सूची में न्यूजीलैंड की एमेलिया केर सबसे आगे हैं। ये खिलाड़ी अपनी इन पारियों से न केवल मैच विजेता रही हैं, बल्कि इन्होंने महिला क्रिकेट के मानकों को भी ऊंचा उठाया है। एमेलिया ने साल 2018 में डबलिन में आयरलैंड के खिलाफ नाबाद 232 रन बनाकर विश्व रिकॉर्ड बनाया था। अपनी 145 गेंदों की इस पारी में इस बल्लेबाज ने 31 चौके और दो छक्के लगाए। करीब 195 मिनट तक बल्लेबाजी कर एमेलिया ने 160 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए। यह महिला एकदिवसीय क्रिकेट में अब तक का सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर है। एमेलिया से पहले, ऑस्ट्रेलिया की बेलिंडा क्लार्क ने साल 1997 में मुंबई में डेनमार्क के खिलाफ 155 गेंदों पर नाबाद 229 रन बनाकर महिला एकदिवसीय में दोहरा शतक लगाने वाली पहली खिलाड़ी बनने की उपलब्धि अपने नाम की थी। क्लार्क ने अपनी पारी में 22 चौके लगाए और 181 मिनट तक बल्लेबाजी की। वहीं श्रीलंका की कप्तान चमारी अटापट्टू ने साल 2024 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पॉचेफस्ट्रूम में नाबाद 195 रन की तूफानी पारी खेली। उन्होंने



मात्र 139 गेंदों का सामना करते हुए 26 चौके और पांच छक्के जड़े। 140.28 के शानदार स्ट्राइक रेट से खेली गई उनकी इस पारी ने लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंका को यादगार जीत दिलाई। वहीं भारतीय ऑलराउंडर दीप्ति भी इस विशिष्ट सूची का हिस्सा हैं। उन्होंने साल 2017 में आयरलैंड के खिलाफ 160 गेंदों पर 188 रन की बेहतरीन पारी खेली थी। उनकी इस पारी में 27 चौके और दो छक्के शामिल थे। 195 मिनट तक क्रीज पर रहकर दीप्ति ने 117.50 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए। यह भारतीय महिला एकदिवसीय की सबसे बड़ी व्यक्तिगत पारियों में से एक है। इसके अलावा दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लॉरा वोल्वार्ड्ट ने भी 17 अप्रैल 2024 को श्रीलंका के खिलाफ शानदार बल्लेबाजी का प्रदर्शन किया। उन्होंने 147 गेंदों पर नाबाद 184 रन बनाए, जिसमें 23 चौके और चार छक्के शामिल थे। उनका स्ट्राइक रेट 125.17 रहा।वहीं, वेस्टइंडीज की हेली मैथ्यूज ने साल 2026 में हरारे में जिम्बाब्वे के खिलाफ 156 गेंदों पर 182 रन की बेहतरीन पारी खेली। उन्होंने अपनी पारी में 26 चौके और दो छक्के जड़े। 116.66 के स्ट्राइक रेट से खेली गई उनकी यह पारी महिला वनडे की बड़ी व्यक्तिगत पारियों की सूची में शामिल है।

हैरी केन अब साल 2029 तक बायर्न म्यूनिख में ही रहेंगे

सबसे अधिक वेतन पाने वालों में शामिल

लंदन (ईएमएस)। इंग्लैंड की फुटबॉल टीम के कप्तान हैरी केन का जर्मन क्लब बायर्न म्यूनिख क्लब के साथ करार साल 2029 तक बढ़ गया है। इससे अब केन यूरोपीय फुटबॉल के ऐसे खिलाड़ियों के क्लब में शामिल हो गये हैं जिन्हें सबसे अधिक वेतन मिलता है। इस सूची में किलियन एमबाप्पे और एर्लिंग हालैंड जैसे दिग्गज शामिल हैं। नये करार के साथ ही केन को प्रति सप्ताह 4 लाख पाउंड से अधिक का वेतन मिलेगा। इस समझौते के साथ ही केन के क्लब छोड़कर कहीं और जाने की अटकलें भी समाप्त हो गयी हैं। गौरतलब है कि केन साल 2023 में टोटेनहम हॉटस्पर से बायर्न म्यूनिख में आये थे, जहां उनका चार साल का करार समाप्त होने जा रहा था। वहीं अब क्लब ने उनके बेहतरीन प्रदर्शन और टीम के प्रति समर्पण को देखते हुए उनका करार बढ़ा दिया है। वहीं मीडिया रिपोर्टों के अनुसार अब वह वेतन के मामले में



किलियन एमबाप्पे और एर्लिंग हालैंड के दिग्गजों की सूची में शामिल हो गये हैं। गौरतलब है कि केन के लिए पिछला सत्र बेहद खास रहा, जहां उन्होंने 73 गोल दागकर प्रतिष्ठित , बैलन डीओर जीता। वह 25 साल में यह पुरस्कार हासिल करने वाले पहले इंग्लिश खिलाड़ी बने। बायर्न ने उनके आने के बाद से ही बुंडेसलीगा का खिताब भी जीता और पिछले सत्र में जर्मन कप भी हासिल किया, जिससे केन के करियर में खिताबों का सूखा खत्म हुआ। उन्होंने जर्मनी की शीर्ष फुटबॉल लीग में सिर्फ98 मैचों में 100 गोल पूरे किए, जो इस उपलब्धि तक पहुंचने का सबसे तेज रिकॉर्ड है।

रंग संसार

एआई का ऐसा इस्तेमाल परेशान करने वाला: श्रेया सरन



मुंबई (ईएमएस)। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानि एआई के गलत इस्तेमाल को लेकर अभिनेत्री श्रेया सरन ने भी चिंता जताई है। एक्ट्रेस ने कहा कि एआई तकनीक का दुरुपयोग लोगों के लिए गंभीर परेशानी पैदा कर सकता है। श्रेया सरन के मुताबिक, एआई के जरिए तस्वीरों में इस तरह बदलाव किए जाते हैं कि वास्तविक व्यक्ति की छवि ही बदल जाती है। कई बार कपड़ों और शरीर के आकार तक में आपत्तिजनक बदलाव कर दिए जाते हैं। एक साक्षात्कार में श्रेया सरन ने बताया कि उन्होंने अपनी तस्वीरों के साथ भी इस तरह की छेड़छाड़ देखी है। अभिनेत्री के अनुसार, कुछ तस्वीरों में शरीर के अंगों का आकार बदल दिया जाता है, जबकि कुछ में कपड़ों को हटाकर, अश्लील रूप देने की कोशिश की जाती है। उन्होंने कहा कि कई बार तस्वीर इतनी बदल दी जाती है कि उन्हें खुद भी समझने में कठिनाई होती है कि उसमें दिखाई देने वाली महिला वास्तव में वही हैं या नहीं।



श्रेया ने स्वीकार किया कि ऐसी सामग्री सामने आने पर कई बार उसे नजरअंदाज करना पड़ता है, लेकिन इसका अर्थ यह नहीं है कि इस तरह का व्यवहार स्वीकार्य है। उन्होंने इसे परेशान करने वाला बताया और कहा कि एआई का इस्तेमाल जिम्मेदारी के साथ होना चाहिए। उनके अनुसार, तकनीक के अनेक सकारात्मक पहलू हैं और इसका उपयोग लोगों की मदद करने तथा रचनात्मक कामों को बेहतर बनाने के लिए किया जा सकता है। हालांकि, गलत इस्तेमाल से नुकसान भी हो सकता है। यह मुद्दा अभिनेत्री जाह्नवी कपूर के गाने 'चुट्टमल्ले' के एआई से बदले गए वीडियो को लेकर हुए विवाद के बाद फिर चर्चा में आया। यह गीत फिल्म 'देवराः पार्ट 1' का है, जिसमें जाह्नवी कपूर के साथ जूनियर एनटीआर दिखाई दिए थे। रिपोर्टों के अनुसार, वायरल किए गए बदले हुए वीडियो में अभिनेत्री की छवि को आपत्तिजनक तरीके से प्रस्तुत किया गया था। जाह्नवी ने 4 अक्टूबर को सोशल मीडिया पर इस घटना की निंदा की थी। जूनियर एनटीआर, चिरंजीवी, विजय देवरकोंडा और खुशबू सुंदर समेत कई कलाकारों ने भी उनका समर्थन किया था।

अभिनेता नहीं स्क्रिप्ट देख करती हूं फिल्में- सैयामी खेर

मुंबई (यशभारत)। हाल ही में अपने फिल्मी सफर के 10 साल पूरे होने पर एक्ट्रेस सैयामी खेर ने खुलासा किया कि उन्होंने अपने करियर की शुरुआत में ही दो बड़ी फिल्मों के ऑफर ठुकरा दिए थे, क्योंकि उनके लिए अभिनेता या निर्देशक से ज्यादा स्क्रिप्ट मायने रखती है। सैयामी खेर ने बताया कि मिर्जया की रिलीज से पहले ही उन्हें ये बड़ी फिल्में ऑफर हुई थीं, लेकिन उन्होंने दोनों ही प्रस्तावों को अस्वीकार कर दिया। एक्ट्रेस ने कहा कि उस वक्त वह इंडस्ट्री में बिल्कुल नई थीं, और इसके बावजूद उन्हें वो रोल्स ठुकराने में कोई मुश्किल नहीं हुई। उनका कहना था कि उन्हें फिल्म के बारे में सिर्फ इतना बताया गया था कि हीरो के साथ 2 सीन करने हैं, उन्हें फिल्म की स्क्रिप्ट तक ऑफर नहीं की गई थी, जिसकी वजह से उन्हें ये ऑफर रिजेक्ट करने में कोई खास मुश्किल नहीं हुई। यह फैसला उनके सिद्धांत को दर्शाता है कि वह बड़े बजट की फिल्मों में छोटे हिस्से करने के बजाय छोटी फिल्म में बड़ा और अहम किरदार करना पसंद करती हैं, जहां स्क्रीन टाइम से ज्यादा किरदार की गहराई मायने रखती है। सैयामी खेर का फिल्म इंडस्ट्री से पुराना नाता रहा है; उनकी दादी उषा किरण मराठी इंडस्ट्री की दिग्गज एक्ट्रेस थीं और वह दिग्गज एक्ट्रेस तन्वी आजमी की रिश्तेदार हैं।



हालांकि, बॉलीवुड में अपनी जगह बनाना उनके लिए भी आसान नहीं रहा। सैयामी ने बताया कि करियर में आगे बढ़ने के लिए लोग उन्हें किसी अभिनेता या निर्देशक को डेट करने की सलाह देते थे, और यहां तक कि उन्हें लिप जॉब कराने की सलाह भी दी जाती थी। इन चुनौतियों के बावजूद, सैयामी अपने दृढ़ संकल्प पर अडिग रहीं और उन्होंने अपनी प्रतिभा और पसंद के साथ कोई समझौता नहीं किया। एक्ट्रेस ने मेल को-स्टार्स की असुरक्षा पर भी अपनी राय रखी। उन्होंने बताया कि कुछ बड़े सितारे अपने सामने मौजूद एक्ट्रेस को रिएक्शन देने का भी पर्याप्त समय नहीं देते हैं, जिससे अभिनय पर असर पड़ता है।





रश्मिका मंदाना की मैसा में दिखेगा बाप-बेटी का अनोखा रिश्ता

मुंबई (यशभारत)। अभिनेत्री रश्मिका मंदाना की आगामी फिल्म मैसा को लेकर दर्शकों के बीच उत्सुकता लगातार बढ़ रही है। इस फिल्म में रश्मिका एक बिल्कुल नए और दमदार अवतार में नजर आएंगी, जो उनकी पिछली भूमिकाओं से काफी अलग है। यह एक्शन थ्रिलर फिल्म आदिवासी इलाकों की पृष्ठभूमि पर आधारित है और सिर्फ जबरदस्त एक्शन ही नहीं, बल्कि एक पिता और बेटी के गहरे भावनात्मक रिश्ते को भी पर्दे पर पेश करेगी। फिल्म 27 नवंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

फिल्म के पहले गाने ओ मैसा रे की घोषणा के साथ ही इसका एक आकर्षक पोस्टर भी जारी किया गया है। पोस्टर में आग की लपटों के बीच एक प्रभावशाली सिल्हूट दिखाई दे रहा है, जो गाने के जोशीले अंदाज और फिल्म के एक्शन से भरपूर माहौल की स्पष्ट झलक देता है। इस गाने को मशहूर संगीतकार जैक्स बिजॉय ने कंपोज किया है। मेकर्स को उम्मीद है कि इसका संगीत फिल्म की कहानी और उसके देसी, प्रामाणिक अंदाज को एक अलग पहचान देगा, जिससे दर्शक भावनात्मक रूप से जुड़ पाएंगे।

मैसा की कहानी भारतीय सिनेमा में एक नया आयाम जोड़ने की कोशिश करती है। जहां बाहुबली और केजीएफ जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्मों में मां-बेटे के रिश्ते को कहानी का एक अहम हिस्सा बनाया गया है, वहीं मैसा में पिता और बेटी के बीच के असाधारण जुड़ाव को केंद्र में रखा गया है।

नुसरत की आवाज में था आरडी बर्मन के निधन का दर्द: शेखर कपूर

मुम्बई (यशभारत)। हाल ही में अपनी चर्चित फिल्म बैंडिट क्वीन से जुड़ी एक अविस्मरणीय याद फिल्ममेकर शेखर कपूर ने साझा की है। इसमें शेखर कपूर ने मशहूर पाकिस्तानी गायक नुसरत फतेह अली खान की अद्वितीय कला और उनकी गहरी संवेदनशीलता का जिक्र है। फिल्ममेकर ने बताया कि फिल्म के बैकग्राउंड स्कोर की रिकॉर्डिंग के दौरान, नुसरत फतेह अली खान की आवाज में सिर्फ सुर नहीं, बल्कि दर्द और आंसू भी थे। इस भावनात्मक उथल-पुथल की वजह उस समय संगीतकार आरडी बर्मन का निधन था, जिनसे नुसरत बहुत प्रभावित थे और उनके संगीत के बड़े प्रशंसक थे। आरडी बर्मन के आकस्मिक निधन से नुसरत फतेह अली खान बहुत दुखी थे, और यह दुख उनकी गायकी में स्पष्ट रूप से झलक रहा था। शेखर कपूर ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर इस पुराने और भावुक किस्से को साझा करते हुए बताया, बैंडिट क्वीन के बैकग्राउंड स्कोर की रिकॉर्डिंग चल रही थी। इसी दौरान नुसरत फतेह अली खान ने मुझसे



एक ऐसी बात कही, जो मेरे लिए अब तक की सबसे अजीब रिक्वेस्ट थी। शेखर ने बताया कि नुसरत ने उनसे कहा, 'शेखर जी, आप अपनी फिल्म देखिए और मैं आपकी आंखों में देखकर गाऊंगा।' यह अनुरोध शेखर के लिए अप्रत्याशित था। उन्होंने आगे बताया, दरअसल, जिस सीन के लिए रिकॉर्डिंग हो रही थी, वह फिल्म में बेहमई नरसंहार के बाद का हिस्सा था। इस सीन में कतार में बनी चिताएं दिखाई गई थीं और नदी किनारे महिलाओं के रोने और विलाप करने की आवाज़ें सुनाई दे रही थीं। यह एक बहुत ही हृदय विदारक और गंभीर दृश्य था, जिसकी संवेदनशीलता को संगीत के माध्यम से व्यक्त करना आवश्यक था। शेखर ने आगे बताया, जब रिकॉर्डिंग शुरू हुई तो मैंने देखा कि नुसरत मेरी आंखों में देख रहे थे। वह सिर्फ देख नहीं रहे थे, बल्कि मेरी आंखों में जैसे कुछ तलाश रहे थे। उस पल मुझे महसूस हुआ कि नुसरत जानते थे कि मैं भी आर. डी. बर्मन के काफी करीब था। शेखर ने याद किया कि आर. डी. बर्मन ने उनकी पहली फिल्म मासूम का संगीत तैयार किया था, जिससे उनके और आरडी बर्मन के बीच भी एक गहरा रिश्ता था।

पैसों की कमी से किसी बच्चे की सर्जरी नहीं रुकेगी -शिंदे

एक हजार लंबित सर्जरी जल्द पूरी करने का लक्ष्य, श्रीनगर के 72 बच्चों के इलाज की ली जिम्मेदारी

डोंबिवली, यशभारत। आर्थिक कठिनाई के कारण किसी भी बच्चे की जरूरी सर्जरी नहीं रुकेगी। कॉक्लियर इम्प्लांट और हृदय सर्जरी सहित लंबित एक हजार सर्जरी जल्द पूरी की जाएंगी। श्रीनगर के 72 बच्चों के इलाज की जिम्मेदारी भी ली गई है। यह आश्वासन उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने दिया।



वे हृदय सर्जरी और कॉक्लियर इम्प्लांट सफलतापूर्वक कराने वाले बच्चों और उनके अभिभावकों के दिवाली स्नेह सम्मेलन में बोल रहे थे। सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे और मंगेश चिवटे की पहल पर आयोजित इस कार्यक्रम की उन्होंने सराहना की। इस दौरान 11 परिवारों ने अपने अनुभव साझा किए। बच्चों में सुनने-बोलने की समस्या या हृदय में छेद होने की जानकारी मिलने पर माता-पिता को होने वाली मानसिक पीड़ा का जिक्र करते हुए शिंदे भावुक हो गए।

उन्होंने बताया कि डॉ. श्रीकांत शिंदे फाउंडेशन, आरोग्यदूत फाउंडेशन और मंगेश चिवटे की चिकित्सा सहायता टीम नौ वर्षों से मरीजों की सेवा कर रही है। यह टीम बीमारी की पहचान से लेकर सर्जरी, एयर एम्बुलेंस और इलाज के बाद फॉलोअप तक की जिम्मेदारी निभाती है।

कॉक्लियर इम्प्लांट के बाद एक बच्ची का आईआईटी और दूसरे बच्चे का इसरो में चयन हुआ है। आदित्य ठोसरे ने अपने अनुभवों पर 'माय वर्ल्ड ऑफ साउंड' पुस्तक भी लिखी है। शिंदे ने बच्चों की प्रतिभा की सराहना की। उन्होंने बताया कि ठाणे में मुख्यमंत्री सहायता निधि से अब तक 50 से 60 करोड़ रुपये की मदद से महंगी सर्जरी कराई गई हैं। ठाणे की अर्ली डिटेक्शन व्यवस्था अन्य महानगरपालिकाओं में भी शुरू करने के लिए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से चर्चा की जाएगी।

20 दिन के मासूम का ढाई लाख में सौदा

मुंब्रा पुलिस ने 24 घंटे में 10 आरोपियों को दबोचा, रत्नागिरी से नवजात सकुशल बरामद

मुंब्रा, यशभारत। महज 20 दिन के नवजात को कथित तौर पर 2.50 लाख रुपये में बेचने के मामले में मुंब्रा पुलिस ने 24 घंटे के भीतर 10 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने रत्नागिरी से बच्चे को सकुशल बरामद किया है। आरोप है कि बच्चे की मां को प्रताड़ित कर उससे रकम भी छीन ली गई थी।

पुलिस के अनुसार, शिकायतकर्ता अनीसा रफीक शेख (19) मुंब्रा रेलवे स्टेशन परिसर में भीख मांगकर परिवार का गुजारा करती हैं। आरोप है कि रेहान रिजवान शेख (22) ने उन्हें बच्चा बेचने के लिए मजबूर किया और उसका सौदा ढाई लाख रुपये में कर दिया। इसके बाद मामले को छिपाने के लिए अनीसा को 1.20 लाख रुपये दिए गए। आरोपियों ने बाद में उनकी और उनकी बहन की पिटाई कर यह रकम भी छीन ली।



5 नवंबर को मामला दर्ज होने के बाद वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक गणेश जवादवाड ने पांच विशेष टीमें गठित कीं। पुलिस ने मुंब्रा, दिवा, कल्याण, जालना और डोंबिवली में कार्रवाई कर सभी 10 आरोपियों को गिरफ्तार किया।

बच्चे की चिकित्सकीय जांच के बाद बाल कल्याण समिति के मार्गदर्शन में उसे डोंबिवली की जननी आशीष संस्था में सुरक्षित रखा गया है। आरोपियों को 10 नवंबर तक पुलिस हिरासत में भेजा गया है। मामले की जांच महिला पुलिस निरीक्षक वृषाली पवार कर रही हैं।

पटाखों की चिंगारी से तीन कारों में लगी आग

एक कार पूरी तरह जलकर खाक

नालासोपारा, यशभारत। नालासोपारा के शिर्डी नगर परिसर में शनिवार दोपहर पटाखों के कारण तीन कारों में आग लग गई। इस घटना में एक कार पूरी तरह जलकर खाक हो गई, जबकि दो अन्य कारें आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हो गईं। हादसा कृष्णराज हाईस्कूल के पास दोपहर करीब एक बजे हुआ। जानकारी के अनुसार, सड़क किनारे कई गाड़ियां खड़ी थीं। इसी दौरान पटाखों की चिंगारी से एक कार में आग लग गई। देखते ही देखते आग ने पास में खड़ी दो अन्य कारों को भी अपनी चपेट में ले लिया। इससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय नागरिकों ने सतर्कता दिखाते हुए आसपास खड़ी अन्य गाड़ियों को तुरंत वहां से हटाया, जिससे आग को फैलने से रोकने में मदद मिली।



सूचना मिलते ही वसई-विरार महानगरपालिका का अग्निशमन दल मौके पर पहुंचा और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

उत्तन डंपिंग ग्राउंड में आग से हड़कंप

जहरीले धुएं से लोग बेहाल, जानबूझकर आग लगाने का आरोप

भाईंदर, यशभारत। उत्तन के डोंगरी स्थित मनपा डंपिंग ग्राउंड में भीषण आग लगने से डोंगरी, उत्तन, तारोडी, पाली और चौक गांवों में धुएं का गुबार फैल गया। जहरीले धुएं और दुर्गंध से स्थानीय लोगों को सांस लेने में परेशानी हो रही है।



नागरिकों का आरोप है कि डंपिंग ग्राउंड में बार-बार जानबूझकर आग लगाई जाती है, लेकिन प्रशासन कोई ठोस कदम नहीं उठा रहा है। इससे लोगों के स्वास्थ्य पर गंभीर असर पड़ने की आशंका है।

सूचना मिलते ही दमकल विभाग की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने में जुट गईं। कचरे के भीतर सुलगती मीथेन गैस के कारण आग पर काबू पाने में दिक्कत आ रही है। नागरिकों ने निष्पक्ष जांच, दोषियों पर कार्रवाई और ऐसी घटनाओं पर स्थायी रोक लगाने की मांग की है।

ठाणे में आग का तांडव

तीन जगह जले वाहन और गोदाम, दो ऑटोरिक्शा और पुलिस की स्कॉर्पियो खाक

ठाणे, यशभारत। शनिवार की रात शहर में आग की तीन अलग-अलग घटनाओं से हड़कंप मच गया। रात 12 बजे से डेढ़ बजे के बीच लगी आग में दो ऑटोरिक्शा, पुलिस की स्कॉर्पियो और एक फर्नीचर गोदाम जलकर खाक हो गए। दमकल विभाग ने तीनों जगह पहुंचकर आग पर काबू पाया।

पहली घटना रात करीब सवा 12 बजे लुईसवाड़ी में उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के आवास के पास हुई। यहां खड़ी पुलिस की महिंद्रा स्कॉर्पियो (एमएच 04 ईए 8037) में आग लग गई। दमकल कर्मियों ने करीब 20 मिनट में आग बुझाई।

दूसरी घटना रात एक बजे उथलसर के आंबेडकर रोड पर स्काई पिलर सोसायटी के सामने बंद फर्नीचर गोदाम में हुई। आग से कागज, लकड़ी के सोफे और अन्य सामान जल गया। करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आग बुझाई गई। मनपा ने इस स्थान को अतिधोकादायक घोषित किया है। तीसरी घटना रात करीब डेढ़ बजे खोपट में लाइफलाइन अस्पताल के सामने खड़े दो ऑटो रिक्शा में हुई। दमकल ने आधे घंटे में आग पर काबू पा लिया।

डोंबिवली में 10 लाख का इनामी नक्सली गिरफ्तार

एटीएस की बड़ी कार्रवाई, बड़ी साजिश की आशंका



डोंबिवली, यशभारत। दिवाली के दौरान ठाणे आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए डोंबिवली के ठाकुर्ली इलाके से 10 लाख रुपये के इनामी नक्सली को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान संजय सरोज यादव उर्फ संजय गोधरे उर्फ बुधाराम (45) के रूप में हुई है। झारखंड सरकार लंबे समय से उसकी तलाश कर रही थी। जानकारी के अनुसार, आरोपी मूल रूप से झारखंड के पलामू जिले के देवगन गांव का निवासी है। वह कई वर्षों से फरार था और गिरफ्तारी से बचने के लिए अलग-अलग ठिकानों पर रह रहा था। एटीएस को उसके ठाकुर्ली में छिपे होने की सूचना मिली थी। इसके बाद टीम ने जाल बिछाकर उसे गिरफ्तार कर लिया। झारखंड में वांटेड नक्सली ठाकुर्ली में किस उद्देश्य से रह रहा था, इसकी जांच की जा रही है। क्या वह किसी नेटवर्क से जुड़ने आया था या किसी अन्य गतिविधि की तैयारी में था, इन पहलुओं की भी पड़ताल हो रही है। एटीएस उसके स्थानीय संपर्कों और महाराष्ट्र में संभावित नेटवर्क की जानकारी जुटा रही है। गिरफ्तारी के बाद सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई हैं। उसे ठाणे की अदालत में पेश किए जाने की संभावना है।

उत्तन पोर्ट के चैनल में रेत का टीला बना नावों के लिए खतरा

दो महीने से बाधित है नावों की आवाजाही

भाईंदर, यशभारत। भाईंदर (पश्चिम) स्थित उत्तन पोर्ट के समुद्री चैनल में पिछले दो महीनों से रेत जमा होने के कारण मछुआरों की परेशानी बढ़ गई है। चैनल में रेत का बड़ा टीला बन गया है।



समुद्र में पानी का स्तर कम होने पर मछली पकड़ने वाली नावें इसमें फंस रही हैं। इससे नावों को नुकसान पहुंचने के साथ ही मछुआरों की जान पर भी खतरा मंडरा रहा है।

इस गंभीर समस्या को लेकर नगरसेविका फ्रीडा बर्नाड डेमेलो ने महाराष्ट्र मैरीटाइम बोर्ड के कमिश्नर और पालघर-ठाणे मत्स्य विभाग के सहायक आयुक्त को पत्र लिखा है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से समुद्री चैनल का तत्काल निरीक्षण कराने और रेत की गहराई का सर्वे करने की मांग की है। साथ ही जमा रेत और गाद हटाकर नावों के आवागमन का रास्ता साफ करने तथा भविष्य में इस तरह की समस्या रोकने के लिए स्थायी उपाय करने की अपील की है।

पासपोर्ट सत्यापन के नाम पर वसूली की शिकायत

ठाणे, यशभारत। पासपोर्ट सत्यापन के नाम पर नागरिकों को बार-बार पुलिस थाने बुलाने, अतिरिक्त दस्तावेज मांगने और कथित तौर पर रिश्वत मांगने की शिकायत सामने आई है। महाराष्ट्र राज्य न्यूनतम वेतन सलाहकार मंडल के पूर्व अध्यक्ष एवं वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता सैयद अली अशरफ उर्फ भाई साहब ने पुलिस आयुक्त आशुतोष डुंबरे से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा और मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की।

अशरफ ने अब्दुल अजीम शेख की ओर से 4 नवंबर को पुलिस आयुक्त के नाम दी गई शिकायत का प्रिंटआउट और आरटीआई आवेदनों की प्रतियां भी सौंपीं। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए आयुक्त ने अतिरिक्त पुलिस आयुक्त को तत्काल जांच के निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित वरिष्ठ अधिकारियों को तलब कर पासपोर्ट सत्यापन प्रक्रिया में मिल रही शिकायतों पर नाराजगी जताई और आवश्यक सुधार करने के निर्देश दिए।

मुंब्रा को नशामुक्त बनाने का संकल्प

32 करोड़ रुपये से अधिक के ड्रग्स जब्त, तस्करों पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी

मुंब्रा, यशभारत। दीपावली मिलन समारोह के अवसर पर मुंब्रा पुलिस ने 'नशामुक्त मुंब्रा' अभियान के तहत जनजागृति कार्यक्रम आयोजित किया। इस दौरान उपस्थित नागरिकों ने मुंब्रा को नशामुक्त बनाने का संकल्प लिया।



वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक गणेश जावादवाड ने बताया कि पुलिस नशे के कारोबार के खिलाफ लगातार कार्रवाई कर रही है। पिछले एक वर्ष में 32 करोड़ रुपये से अधिक के मादक पदार्थ जब्त किए गए हैं। नशे का सेवन करने वाले सैकड़ों लोगों पर भी कार्रवाई की गई है। उन्होंने कहा कि ड्रग्स तस्करों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। पुलिस स्कूलों, कॉलेजों, गलियों और सार्वजनिक स्थानों पर जागरूकता अभियान चलाएगी। इस मुहिम में नागरिकों का सहयोग जरूरी है।

राकांपा के कलवा-मुंब्रा विधानसभा अध्यक्ष शमीम खान ने पुलिस की पहल की सराहना की। उन्होंने कहा कि मुंब्रा की गंगा-जमुनी तहजीब और सामाजिक एकता बनाए रखने के लिए नशामुक्त समाज जरूरी है। उन्होंने नागरिकों से पुलिस अभियान में सक्रिय सहयोग करने की अपील की।

पालघर में बिना एचएसआरपी प्लेट के दौड़ रहे 2.66 लाख वाहन

छह बार मोहलत भी बेअसर, 3,242 चालकों से वसूला 32.42 लाख जुर्माना

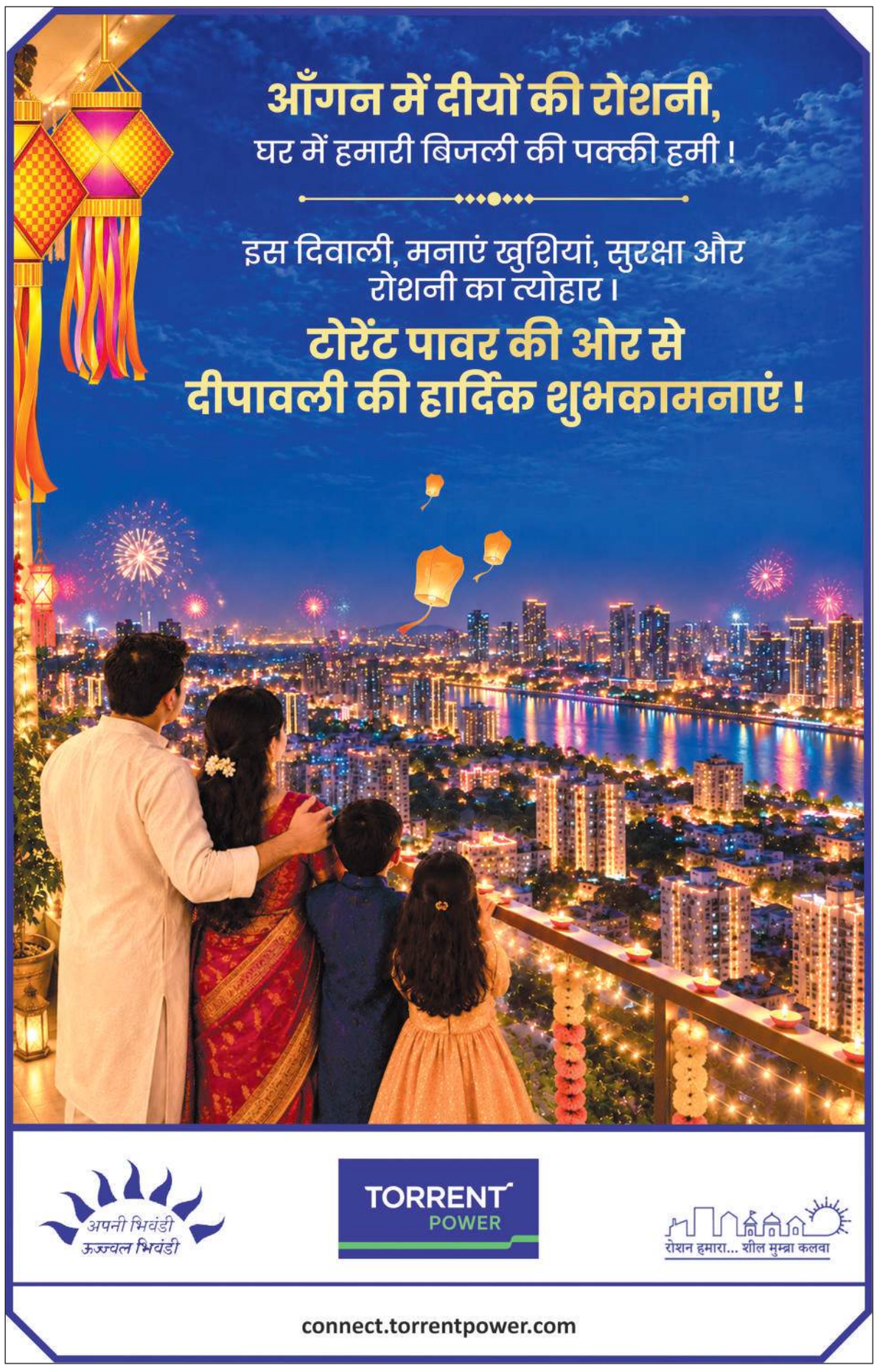
वसई, यशभारत। वाहन सुरक्षा और पहचान मजबूत करने के लिए राज्य सरकार ने 1 अप्रैल, 2019 से पहले पंजीकृत वाहनों पर हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट अनिवार्य की है। इसके बावजूद पालघर जिले में 2 लाख 66 हजार 829 वाहन अब भी बिना इस प्लेट के सड़कों पर दौड़ रहे हैं।



परिवहन विभाग ने प्लेट लगवाने के लिए छह बार समयसीमा बढ़ाई थी। अंतिम तारीख 30 जून 2026 तय की गई थी, लेकिन इसके बाद भी बड़ी संख्या में वाहन मालिकों ने नियम का पालन नहीं किया।

विभागीय आंकड़ों के मुताबिक, जिले में 1 अप्रैल, 2019 से पहले 4,78,931 वाहन पंजीकृत थे। इनमें से केवल 2,12,102 वाहनों पर एचएसआरपी लगाई गई है। यानी महज 44.48 प्रतिशत वाहन ही इस व्यवस्था के दायरे में आए हैं।

फैंसी नंबर प्लेट और नंबरों से छेड़छाड़ के कारण वाहनों की पहचान में परेशानी होती है। इसे रोकने के लिए आरटीओ ने विशेष जांच दल तैनात किए हैं। अब तक 3,242 वाहन चालकों पर कार्रवाई कर 32.42 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। विभाग ने वाहन मालिकों से जल्द एचएसआरपी लगवाने की अपील की है।



स्वामी,मुद्रक, प्रकाशक आशीष कुमार शुक्ला द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस यूनिट न.04 ग्राऊंड फ्लोर एन.के. इंडस्ट्रियल गोरेगांव (E) मुम्बई से मुद्रित एवं 616/डी विंग फ्लोरल डेक प्लाजा परिसर सीएचएसएल, सेंट्रल एमआईडीसी रोड के सामने, अंधेरी ईस्ट मुंबई 400093 से प्रकाशित संपादक आशीष कुमार शुक्ला,स्थानीय संपादक विल्फ्रेड डिसूजा* महाप्रबंधक अरुणा राजेंद्र जैन,आर.एन. आई. नं. MHHIN/25/1223/A1161 समाचार चयन के लिये पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार* Email ID- mumbaiyashbharat@gmail.com फोन- 8767063789, 9967216271 (न्यायालय क्षेत्र अधिकार मुम्बई महाराष्ट्र)